श्रावण शुक्ल - 14 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 17 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 08-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संभल कोई विवाद नहीं बल्कि सच्चाई है, सच छुपाने वालों को सजा जरूर मिलेगी

6 धराली आपदा : विकास के नाम पर प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा

7 भारत 2050 तक 25,000 अरब डॉलर की महाशक्ति बन जाएगा : अदाणी

रक्षाबंधन पर्व मुहूर्त

श्रावण सुदी 15, शनिवार 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व है। इस बार रक्षाबंधन पर शुभ योग बन रहे हैं, साथ ही इस वर्ष भद्रा का साया भी नहीं रहेगा, जिससे इस पर्व की महत्ता और बढ़ जाएगी।

रक्षासूत्र बांधने का शुभ मुहूर्त

प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में 4.30 बजे से 6.06 बजे तक, 7.41 बजे से 9.15 बजे तक शुभ वेला में व दिन में 11.59 बजे से 12.50 बजे तक अभिजीत मुहूर्त श्रेष्ठ रहेगा। दोपहर बाद 1.59 बजे से 5.09 बजे तक लाभ-अमृत वेला व सायंकाल 6.43 बजे से रात्रि 8.09 बजे तक लाभ वेला में भी बहिनें अपने भाई को रक्षासूत्र बांध सकती हैं।

रक्षासूत्र बांधते समय – भाइयों का मुख पूर्व दिशा व बहिनों का मुख पश्चिम दिशा में होना चाहिए।

- पंडित जगदीश आचार्य, बेंगलूरु
फोन : 9448417398

फर्स्ट टेक

ट्रंप की कंप्यूटर चिप्स पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की योजना

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह कंप्यूटर चिप्स पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। अगर ऐसा हुआ तो अमेरिका में डिजिटल युग को गति देने वाले प्रोसेसर पर निर्भर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, घरेलू उपकरणों और दूसरे जरूरी उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक के साथ बैठक के दौरान कहा, ''हम चिप्स और सेमीकंडक्टर पर लगभग 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे।'' उन्होंने साथ ही जोड़ा, ''...लेकिन अगर आप अमेरिका में निर्माण कर रहे हैं, तो कोई शुल्क नहीं लगेगा।''

यूपीआई भुगतान बाधित होने से लोग हुए परेशान

मुंबई/भाषा। देशभर में लोगों को बृहस्पतिवार शाम एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई के जरिये ऑनलाइन भुगतान करने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। यूपीआई का संचालन करने वाले भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने इस असुविधा के लिए कुछ बैंकों की तकनीकी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया।

08-08-2025 सूर्यास्त 6:44 बजे | 09-08-2025 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE	NSE
80,623.26 (+79.27)	24,596.15 (+21.95)

सोना	चांदी
10,345 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	116,251 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कुछ करो

सुन-सुन कर कान पके जाते,
छोड़ो ना अब मन की बातें।
व्याकुल है बैंकों में खाते,
बतलाओ कुछ धन की बातें।
सब काम करें मिलजुल कर ही,
करिए ना अनबन की बातें।
ऊंची-ऊंची ही फेंकें ना,
अब करें आप जन की बातें।।

किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा भारत

व्यक्तिगत रूप से भारी कीमत चुकाने को तैयार : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को परोक्ष रूप से संदेश देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने किसानों, मछुआरों और डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह जानते हैं कि व्यक्तिगत रूप से उन्हें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन वह इसके लिए तैयार हैं।

ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के एक दिन बाद प्रधानमंत्री का यह बयान आया है, जबकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। यह व्यापार समझौता भारत के कृषि और डेयरी बाजार तक अधिक पहुंच की अमेरिका की मांग के बीच हो रहा है।

अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों पर शुल्क कम करने के साथ-साथ अपने डेयरी उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने की मांग कर रहा है। हालांकि, भारत इन मांगों का विरोध कर रहा है, क्योंकि इनका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा।

मोदी ने कहा, ''हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशु पालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा।'' उन्होंने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं 'हरित क्रांति के जनक' एम.एस. स्वामीनाथन की जन्मशती के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए वह कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। मोदी ने कहा, ''मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत आज मछुआरों और पशु पालकों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, ''मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।'' अमेरिका ने कच्चे तेल को लेकर रूस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए भारत पर दबाव बनाने के मकसद से भारतीय वस्तुओं पर व्यापार शुल्क में और वृद्धि कर दी है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है और इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा देने के बाद 21 जुलाई को यह पद रिक्त हो गया था। धनखड़ का कार्यकाल अगस्त 2027 में समाप्त होना था। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, मध्यावधि चुनाव की स्थिति में पद पर चुने जाने वाले व्यक्ति को पूरे पांच साल का कार्यकाल मिलता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए ऐसे व्यक्ति को ही निर्वाचित किया जा सकता है, जो भारत का नागरिक हो, जो 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो और राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो। भारत सरकार, राज्य सरकार या किसी अधीनस्थ स्थानीय प्राधिकरण में किसी लाभ के पद पर आसीन व्यक्ति उपराष्ट्रपति पद के लिए पात्र नहीं होता।

एनएसए डोभाल ने की राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात

राष्ट्रपति पुतिन आएंगे भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने बृहस्पतिवार को 'क्रेमलिन' में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन की प्रेस सेवा की ओर से साझा की गई एक वीडियो क्लिप में डोभाल बातचीत से पहले पुतिन से हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुतिन ने क्रेमलिन में अपने कक्ष में डोभाल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नई दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे पुतिन ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया है। क्रेमलिन में हुई बैठक के दौरान, डोभाल के साथ भारतीय राजदूत विनय कुमार भी थे। बैठक में रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु भी शामिल हुए।

सर्गेई शोइगु से बातचीत

इससे पहले, डोभाल ने शोइगु के साथ बातचीत की। शोइगु ने कहा कि रूस एक अधिक न्यायसंगत और टिकाऊ विश्व व्यवस्था बनाने और अंतरराष्ट्रीय कानून की सर्वोच्चता सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ सक्रिय सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यायालय ने याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति वर्मा से कहा

न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास से परे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने आंतरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को अमान्य करार देने का अनुरोध करने वाली इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में कदाचार का दोषी ठहराया गया है। न्यायालय ने साथ ही कहा कि इस प्रक्रिया का पूरी कड़ाई से पालन किया गया था।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास से परे है और उनकी याचिका पर सुनवाई नहीं की जानी चाहिए।

यह न्यायाधीश वर्मा के लिए एक बड़ा झटका है जो दिल्ली स्थित अपने आधिकारिक आवास के भंडार गृह में आग लगने के बाद बड़ी मात्रा में अधजली नकदी बरामद होने के बाद विवादों के केंद्र में हैं।

न्यायमूर्ति वर्मा ने आठ मई की उस सिफारिश को रद्द करने का भी अनुरोध किया था जिसमें भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने संसद से उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध किया था।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि तत्कालीन सीजेआई और आंतरिक समिति ने पूरी प्रक्रिया का कड़ाई से पालन किया, सिवाय वीडियो फुटेज और तस्वीरें अपलोड करने के।

न्यायमूर्ति दत्ता ने फैसला पढ़ते हुए कहा, ''हमने माना है कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर आग बुझाने के अभियान की तस्वीरें और वीडियो अपलोड करना आवश्यक नहीं था। लेकिन ऐसा कहने के बाद भी, हमने यह भी स्पष्ट किया है कि इसका कोई विशेष महत्व नहीं है, क्योंकि उचित समय पर आपने इस मुद्दे को नहीं उठाया। साथ ही, आपकी रिट याचिका में अपलोडिंग को लेकर कोई राहत की मांग भी नहीं की गई थी।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि आंतरिक जांच प्रक्रिया और तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश द्वारा नियुक्त न्यायाधीशों की समिति ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया था और रिपोर्ट को प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को न्यायाधीश वर्मा को हटाने की सिफारिश के साथ भेजना असंवैधानिक नहीं था। पीठ ने यह स्पष्ट किया कि उच्चतम न्यायालय की आंतरिक प्रक्रिया को कानूनी मान्यता प्राप्त है और यह संविधानिक ढांचे से बाहर कोई समानांतर व्यवस्था नहीं है। न्यायालय को न्यायमूर्ति वर्मा के मौलिक अधिकारों का भी कोई उल्लंघन नहीं मिला।

निर्वाचन आयोग से मिलीभगत कर भाजपा ने चुनाव में की धोखाधड़ी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत कर चुनावों में ''बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी'' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि यह ''संविधान के खिलाफ एक अपराध'' है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने यह भी कहा कि न्यायपालिका को भी इसमें शामिल होने की जरूरत है, क्योंकि ''जिस लोकतंत्र से हम इतना प्यार करते हैं, वह अब अस्तित्व में नहीं है।''

यहां अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मुख्यालय इंदिरा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ने शोध के माध्यम से जो कुछ एकत्र किया है, वह ''आपराधिक साक्ष्य'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग देशभर में ऐसे सबूतों को नष्ट करने में व्यस्त है।

एक लाख से अधिक मतदाता फर्जी

गांधी ने कहा कि कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतदाता फर्जी, डुप्लिकेट पाए गए, जिनके पते अमान्य थे और फार्म 6 के दुरुपयोग से 90 वर्ष से अधिक आयु के नये मतदाता जोड़े गए। उन्होंने दावा किया, ''महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र की जांच की, जहां 1,00,250 वोट चोरी किये गए। 11,965 डुप्लीकेट मतदाता बनाए गए, 40,009 मतदाताओं के फर्जी और अमान्य पते थे। 10,452 मतदाताओं को एक ही पते पर पंजीकृत किया गया 4,132 मतदाता फर्जी फोटो के साथ सूची में जोड़े गए और 33,692 नए मतदाता फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए।'' उन्होंने संवाददाता सम्मेलन के तुरंत बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वोट-चोरी हमारे लोकतंत्र पर एक 'एटम बम' की तरह है।''

राहुल गांधी के देशव्यापी 'मतदाता धोखाधड़ी' के दावे सही, प्रधानमंत्री इस्तीफ़ा दें : सिद्दरामय्या

बेंगलूरू/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल के लोकसभा चुनावों में व्यापक 'मतदाता धोखाधड़ी' का सबूतों के साथ पर्दाफाश किया है। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस्तीफे की मांग की। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पुख्ता सबूतों के साथ यह उजागर किया है कि हाल के लोकसभा चुनावों में पूरे भारत में बड़े पैमाने पर वोटों की चोरी हुई थी। उन्होंने लिखा, ''भारी जनाक्रोश के बावजूद, मोदी चुनावी धोखाधड़ी के जरिए ही सत्ता में लौटे। राहुल गांधी द्वारा आज जारी किए गए दस्तावेज इसका स्पष्ट प्रमाण हैं।''

ट्रंप की शुल्क धमकी के बीच

ब्राजील के राष्ट्रपति ने की प्रधानमंत्री मोदी से बात

नई दिल्ली/भाषा। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश जारी करने के एक दिन बाद आया है। पीएमओ ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान के मुताबिक टेलीफोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले महीने अपनी ब्राजील यात्रा को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राष्ट्रपति लूला के साथ अच्छी बातचीत हुई।

राहुल गाँधी शपथ पत्र के साथ शिकायत करें या आरोप लगाना बंद करें : चुनाव आयोग

नई दिल्ली/भाषा। चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधान सभा चुनाव की मतदता सूची पर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी के गुरुवार के बयानों और दावों को 'गुमराह करने वाला' बताते हुए उन्हें अपनी बात शपथ-पत्र के साथ राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के सामने रखने की चुनौती दी है।

आयोग ने सख्त शब्दों में कहा है कि कांग्रेस नेता को अपनी बात सच लगती है तो उन्हें उसे नियमानुसार शपथ-पत्र के साथ कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी के सामने रखना चाहिए, और यदि उन्हें अपनी बात पर ही विश्वास नहीं है तो बेतुके निष्कर्ष निकालना बंद करना चाहिए। आयोग ने सोशल मीडिया पर अपने फैक्टचेक अकाउंट के माध्यम से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोक सभा में विपक्ष के नेता गाँधी के बयान को गुमराह करने वाला करार देते हुए खारिज किया। आयोग ने कहा, ' श्री राहुल गाँधी को यदि लगता है कि उनकी बात सही है तो उन्हें मतदाता पंजीयन नियमावली 1960 के नियम 20(3) (बी) के तहत बयान/ शपथ-पत्र पर हस्ताक्षर कर उसे आज शाम तक ही कर्नाटक के सीईओ (मुख्य चुनाव अधिकारी) के समक्ष प्रस्तुत कर देना चाहिए ताकि उसके संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा सके। आयोग ने कहा , 'श्री गांधी को यदि अपनी बात पर भरोसा नहीं है तो उन्हें बेतुके निष्कर्ष निकालने और भारत की जनता को गुमराह करने से बाज आना चाहिए।

भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ाएंगे ट्रम्प

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का कोई असर नहीं होते देख अब कुंठित होकर चेतावनी दी है कि भारत को संभावित द्वितीयक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका का एक दूसरे के प्रमुख व्यापारिक भागीदार होने ,दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनयिक संबंध साझा करने के बावजूद ट्रम्प ने रूस से तेल और गैस की खरीद पर दण्डात्मक उपाय के रूप में भारत पर 25 प्रतिशत का भारी आयात शुल्क लगाया है।

गाजा पर कब्जा नहीं करना चाहता इजराइल : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को कहा कि इजराइल गाजा पर कब्जा या उसका विलय नहीं करना चाहता और इसका एकमात्र उद्देश्य हमास को खत्म करना तथा क्षेत्र और एक अस्थायी सरकार को सौंपना है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इजरायल जल्द से जल्द युद्ध समाप्त करके गाजा की सुरक्षा का नियंत्रण अपने जिम्मे लेना चाहता है। भारतीय पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत में नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में 20 लाख टन से अधिक खाद्य सामग्री भेजी गई थी, लेकिन आपूर्ति रोक दी गई। नेतन्याहू ने यह टिप्पणी गाजा में मानवीय संकट को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी सरकार की बढ़ती आलोचना के बीच की है। गाजा में पिछले 22 महीने में इजराइली सैन्य हमलों में लगभग 60,000 लोगों की मौत हो चुकी है। सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में 1,200 लोगों की मौत के बाद इजराइल ने गाजा में युद्ध छेड़ दिया था। हमास ने 251 लोगों को बंधक भी बना लिया था। नेतन्याहू ने कहा, गाजा पर कब्जा करने या उसका विलय करने की हमारी योजना नहीं है।

कट्टरता युद्ध का कारण बनती है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि कट्टरता क्रोध और घृणा पैदा करती है, जिससे झगड़े और युद्ध होते हैं।

भागवत ने नागपुर में एक शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद एक समारोह में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सभी समस्याओं का मूल कारण मानव स्वभाव की पांच या छह प्रवृत्तियां हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, मनुष्य की कट्टरता क्रोध और घृणा पैदा करती है, जिससे झगड़े और युद्ध होते हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रवृत्तियों को बदलने के लिए भगवान शिव की भक्ति करनी चाहिए।

भागवत ने कहा कि व्यक्ति को विनम्रता का जीवन अपनाना चाहिए और अपने लिए चीजें हासिल करने की इच्छा रखे बिना सभी के प्रति दया का भाव रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी पवित्र जीवनशैली की ओर प्रतिदिन एक कदम बढ़ाना ही शिव के प्रति सच्ची भक्ति है।

भागवत ने कहा कि दुनिया बदलाव के दौर से गुजर रही है और अगर मनुष्य ने उचित कदम नहीं उठाए, तो इसका विनाश हो जाएगा, लेकिन अगर वे सही कदम उठाएंगे, तो मानवता का एक नया उन्नत रूप उभरकर सामने आएगा।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि मानवता के ऐसे उन्नत स्वरूप के उद्भव के लिए भारत को विश्व का नेतृत्व करना होगा। उन्होंने कहा कि देश में विश्वभर के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने की शक्ति है।

मुनिश्री की सन्निधि में द्रव्य सीमा, सामायिक एवं मौन नवरंगी की आराधना हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनि डॉ पुलकित कुमारजी की निश्रा में चातुर्मासिक धर्मोत्सव की आराधना उत्साह से गतिमान है। मुनिश्री ने अनित्य भावना पर दैनिक प्रवचन देते हुए कहा कि मानव को अपने जीवन में अनित्यता का बोध होना चाहिए। यहां पर जन्म लेकर धन, वैभव, सत्ता, संपत्ति का अहं नहीं करें। वस्तुत: देखा जाए तो सब कुछ नश्वर नाशवान है।

जागतिक पदार्थ अनित्य है यह चिंतन साधक को अनासक्ति की तरफ मोड़ता है। मोक्षार्थी साधक बहिर्मुखता को छोड़ अंतर्मुखी बनने का प्रयास करें । तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने बताया कि मुनिश्री की प्रेरणा से संयमोत्सव के अंतर्गत सामायिक की तीन नवरंगी, मौन की दो नवरंगी तथा द्रव्य सीमा की दो नवरंगी तप की आराधना श्रावक और श्राविकाओं ने मिलकर संपन्न की ।

नवरंगी संपन्न करवाने में तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तथा तेरापंथ सभा के अनेक धर्मप्रेमियों का सहयोग रहा। मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी मासखमण तप अभिनंदन समारोह की जानकारी दी। सरिता मुथा के मासखमण अनुमोदना हेतु तेरापंथ भवन गांधीनगर में धम्म जागरण का भी आयोजन किया गया।

धराली में आपदा देखने वाले प्रत्यक्षदर्शी सदमे में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धराली (उत्तराखंड)/भाषा। चेहरे पर उदासी लिए कई महिलाएं मुखबा गांव के किनारे एक रेलिंग पर बैठी हुई हैं जहां से सड़क से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर धराली में दो दिन पहले हुआ विनाश का दृश्य साफ दिखाई देता है।

मंगलवार दोपहर बाद आयी त्रासदी को उन्होंने आंखों के सामने घटते देखा जब ढलानों से बहता हुआ मलबा नीचे की ओर आता चला गया जिसमें आधे से ज्यादा धराली गांव तबाह हो गया, ऊंची-ऊंची इमारतें जमींदोज हो गईं और अपनी जान बचाने को भागते लोग उसमें समा गए। महिलाओं के गमगीन चेहरे यह बताने के लिए काफी हैं कि उस गांव में हुए जानमाल के विनाश से वे कितनी दुखी हैं। वे चारों तरफ फैले पड़े मलबे को ऐसे देखती हैं जैसे उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा है कि आपदा आने से पहले तक एक खूबसूरत और जीवंत गांव का 70 से 90 प्रतिशत हिस्सा अब मलबे के नीचे दब चुका है। जब त्रासदी आयी तो लोग मदद के लिए चिल्लाए लेकिन कुछ ही सेकंड में सब कुछ तबाह हो गया और किसी को भी उनके लिए कुछ करने का मौका नहीं मिला ।

आशा सेमवाल ने कहा, हम कुछ भी नहीं कर पाए। हम लोगों को सतर्क करने के लिए केवल चिल्लाए, सीटियां बजाईं । हम केवल चिल्लाते रहे । धराली हमारा पड़ोसी गांव है । हम वहां लगभग सभी को जानते थे । केवल भगवान जानता है कि उनका क्या हुआ होगा। पड़ोस के एक अन्य गांव मारकण्डेय की रहने वाली निशा सेमवाल ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया, नीचे लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे लेकिन हम कुछ नहीं कर पाए । कुछ लोगों के पूरे परिवार चले गए। यह एक बुरा सपने जैसा था। सुबह तक सब कुछ अच्छा था लेकिन दोपहर बाद सब खत्म गया।

इस विनाशकारी त्रासदी से मुखबा गांव की एक और निवासी सुलोचना देवी भी हक्की-बक्की रह गईं । उन्होंने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। मैं सरकार से केवल यही अपील करती हूं कि वह प्रभावित लोगों की मदद करें। अनेक स्थानीय

लोगों ने कहा कि लापता लोगों की संख्या 150 से कम नहीं होगी।

एक व्यक्ति ने कहा, जब आपदा आयी, उस समय स्थानीय ग्रामीण, निर्माणाधीन होटलों में काम करने वाले नेपाल और बिहार के मजदूर और धराली बाजार में पर्यटक भी मौजूद थे। इनकी संख्या 150 से कम नहीं होगी। मुखबा के एक पुजारी ने बताया, हमने लोगों को सतर्क करने के लिए सीटियां बजाई लेकिन यह कोई साधारण बाढ़ नहीं थी । यह जलप्रलय था । बाजार में बिहारी और नेपाली मजदूर, पर्यटक और स्थानीय लोग थे। वहां करीब 20-25 बड़े होटल थे जो जमींदोज हो गए । 500 साल पुराना कल्प केदार मंदिर भी दब गया। मुखबा में मौजूद उत्तरकाशी से स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्र जयराज ने बताया कि पहले उसकी मां ने इस सैलाब को आते देखा और उन्हें बताया जिसके बाद वह भागता हुआ एक ऐसी जगह पहुंचा जहां से पूरा दृश्य दिखाई दे रहा था ।

जयराज ने कहा, 'उस समय धराली बाजार में कम से कम 25-30 लोग थे । मुझे नहीं पता कि वहां पानी के प्रहार से गिरे करीब एक दर्जन होटलों के अंदर कितने लोग थे । मैं लोगों को आपदा से सतर्क करने के लिए सीटियों पर सीटियां बजाता रहा लेकिन ज्यादा कुछ नहीं कर पाया क्योंकि तलबा तेजी से बहता आ रहा था और देखते ही देखते सब खत्म हो गया। एक होटल में काम करने वाले जयवीर नेगी ने बताया, धराली में 400 लोगों की आबादी है । घटना के समय कुछ लोग बाजार में थे, कुछ अन्य गांव में चल रहे हरदूध मेले में थे और दोपहर के भोजन का समय होने के कारण कुछ अन्य अपने घरों में थे। बाहर से आए हुए पर्यटक होटलों में थे। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल ने कहा, आपदा में लापता लोगों की संख्या 50-60 होगी । धराली में आपदा से कम से कम 300-400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ होगा।

धराली में 'हिमगिरि' नामक होटल का संचालन करने वाले संजय सिंह पंवार ने कहा कि वह सैलाब में ध्वस्त हो गया।

राहुल का चुनाव फर्जीवाड़े का आरोप एक सुनियोजित धोखा

लोकतंत्र के खिलाफ कांग्रेस की बड़ी साजिश: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग के खिलाफ चुनाव धोखाधड़ी के राहुल गांधी के आरोप को एक ''सुनियोजित धोखाधड़ी'' करार दिया और आरोप लगाया कि कांग्रेस भारत के लोकतंत्र तथा संविधान के खिलाफ एक बड़ी साजिश के तहत संवैधानिक संस्थाओं पर ''व्यवस्थित'' हमला कर रही है।

सत्तारूढ़ पार्टी ने कहा कि गांधी भाजपा की चुनावी जीत को ''धोखाधड़ी'' बताकर देश के लोगों के ''विवेकपूर्ण निर्णय'' का अपमान कर रहे हैं। इसने कहा कि मतदाता इस तरह के ''गैर-जिम्मेदार और बेशर्मी भरे'' चरित्र एवं आचरण के लिए कांग्रेस को लगातार खारिज करते रहेंगे। इसने आरोप लगाया कि गांधी ने हताशा और गुस्से में निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए हैं, क्योंकि लोग कांग्रेस को अपना जनादेश नहीं दे रहे हैं। पार्टी ने चुनाव परिणामों पर दोहरे मापदंड अपनाने को लेकर कांग्रेस नेता की आलोचना की और उनसे कहा कि उन्हें यह बात समझनी चाहिए कि उनके परिवार की जीत लोकतंत्र की परिभाषा नहीं है।

भाजपा का यह बयान तब आया जब गांधी ने यहां मीडिया के सामने दावा किया कि कर्नाटक में एक लोकसभा क्षेत्र से संबंधित मतदाता आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर निर्वाचन आयोग ने चुनावों में धांधली की, ताकि भाजपा को वोट ''चुराने'' और 2024 के आम चुनाव में सीट जीतने में मदद मिल सके। कांग्रेस नेता ने भाजपा की ओर स्पष्ट इशारा करते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग और सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा देश भर में बड़े पैमाने पर ''आपराधिक धोखाधड़ी'' की जा रही है। कांग्रेस नेता की टिप्पणी की निंदा करते हुए सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, ''नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गैर-जिम्मेदाराना और बेशर्मी से भरी टिप्पणी की है।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि गांधी ने निर्वाचन आयोग को धोखेबाज कहा है और ''बेशर्मी'' की सारी हदें पार कर दी हैं।

हिमाचल प्रदेश के रामपुर में

बादल फटने से भारी बारिश, राज्य की 496 सड़कें बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार को रुक-रुक कर बारिश हुई, जबकि शिमला के रामपुर में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन के कारण तीन राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 496 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गई हैं । उन्होंने बताया कि शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र के दर्शल में बुधवार देर रात बादल फटने से टेकलेच बाजार में अचानक बाढ़ आ गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, क्योंकि खतरे को देखते हुए आसपास के घरों को खाली करा लिया गया था। उन्होंने बताया कि

भूस्खलन के बाद चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या - 21, पुराना हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या पांच) और औट-सैंज मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 305) समेत कुल 496 सड़कें यातायात के लिए बंद कर दी गईं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, बृहस्पतिवार को मंडी जिले में 278 सड़कें अवरुद्ध थीं, जबकि निकटवर्ती कुल्लू जिले में 118 सड़कें बंद थीं।

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को ऊना, कांगड़ा, मंडी, सोलन और सिरमौर जिलों में रविवार को और ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में सोमवार को अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया।

राज्य के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश जारी रही। बुधवार शाम से नैना देवी में 92.6 मिमी बारिश हुई, इसके बाद रायपुर मैदान में 81.6 मिमी, पच्छाद में 75.1 मिमी, ओलिंडा में 67.7 मिमी, कांगड़ा में 62.5 मिमी, धर्मशाला में 42.5 मिमी, नाहन में 32.6 मिमी, कसौली में 32.5 मिमी और देहरा गोपीपुर में 31.4 मिमी बारिश हुई। इस मानसून में अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में लगभग 108 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 36 लोग लापता हैं।

एसईओसी ने बताया कि इसके अलावा, 1,120 ट्रांसफार्मर और 245 जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से प्रदेश को कुल 1,905 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। राज्य में अब तक 58 बार अचानक बाढ़, 28 बार बादल फटने और 51 बड़े भूस्खलन की घटनायें हो चुकी हैं।

आरएसएस प्रमुख ने नागपुर संग्रहालय का दौरा किया, शिवाजी महाराज का 'वाघ-नख' देखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को यहां एक प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का प्रसिद्ध 'वाघ-नख' प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि हर किसी को इस हथियार को देखना चाहिए, क्योंकि यह ''हमें हमारी वीरता के इतिहास'' की याद दिलाता है। 'शिवशास्त्र शौर्यगाथा' प्रदर्शनी के तहत मराठाओं द्वारा इस्तेमाल किए गए विभिन्न हथियारों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

भागवत ने बाद में कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज का वाघ-नख हमें हमारे शौर्य के इतिहास की याद दिलाता है। सभी को इसे देखना चाहिए।'' इस संबंध में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि यह हथियार लंदन के विक्टोरिया एवं अल्बर्ट संग्रहालय में दक्षिण एशियाई संग्रह का हिस्सा है। ऐसा माना जाता है कि इसे 17वीं शताब्दी में दक्षिण भारत में बनाया गया था। स्टील से बने इस हथियार में ठोस धातु की एक छड़ है जिस पर चार घुमावदार, धारदार पंजे लगे हैं। इसके दोनों सिरों पर छल्ले हैं जो इसे बाएँ हाथ की हथेली में छिपाने के लिहाज से डिजाइन किए गए हैं। ऐतिहासिक विवरण के अनुसार, मराठा राज्य के संस्थापक शिवाजी महाराज ने नवंबर 1659 में आदिल शाही वंश के सेनापति और आक्रमणकारी सेना का नेतृत्व कर रहे अफजल खान को मारने के लिए वाघ-नख का इस्तेमाल किया था।

चुनाव में धांधली के राहुल के दावे निराधार : एकनाथ शिंदे

नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राहुल गांधी द्वारा किए गए ''बड़े आपराधिक चुनावी धोखाधड़ी'' के दावों को ''निराधार'' करार देते हुए कहा कि कांग्रेस को चुनाव हारने के बाद आरोप लगाने की आदत है।

एक विशेष वीडियो साक्षात्कार में शिंदे ने कहा कि भाजपा-शिवसेना-राकांपा की महायुति ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 'लाडकी बहिन' जैसी जन कल्याणकारी योजनाओं और किसान समर्थक पहलों के आधार पर भारी जीत दर्ज की। राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे जाने पर शिंदे ने पलटवार करते हुए कहा, ''लोकसभा चुनाव में विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) ने महाराष्ट्र में 30 सीट जीतीं, जबकि हमें 17 सीट मिलीं। क्या इसका मतलब यह है कि उन्होंने (एमवीए) जनादेश चुरा लिया? जब आपने तेलंगाना और कर्नाटक में चुनाव जीता, तो क्या आप ईवीएम में हेराफेरी या वोट चोरी में संलिप्त थे।'' महायुति सरकार जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और लोगों ने सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को मंजूरी दी, जो सत्तारूढ़ गठबंधन की भारी जीत में भी परिलक्षित हुआ।

आप सरकार ने संपत्तियां नहीं बनाईं, विज्ञापन पर खर्च किया: रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर मुफ्त पानी और बिजली को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और दावा किया कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने शहर के लिए संपत्ति निर्माण पर पैसा खर्च करने के बजाय विज्ञापनों पर खर्च किया।

सोमवार को विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट को लेकर उन्होंने सदन में दावा किया कि रिपोर्ट ने आप सरकार की पोल खोल दी है। सोमवार को मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा विधानसभा में पेश की गई कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि आप के शासन में 2023-24 में दिल्ली सरकार का राजस्व अधिशेष इसके पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 55 प्रतिशत कम हो गया था।

उन्होंने मांग की कि वर्ष 2023-24 के लिए दिल्ली के वित्त लेखा और विनियोग लेखा पर कैग रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेजी जाएं। गुप्ता ने आरोप लगाया, ''आप ने दिल्ली को धोखा दिया। आपने सड़कें नहीं बनाईं, सीवर लाइनें या स्कूल और अस्पताल नहीं बनाए। आपने विज्ञापनों पर बहुत अधिक खर्च किया।'' जैसे ही आप विधायकों ने मुख्यमंत्री के दावों का विरोध करना शुरू किया, विपक्षी दल के चार विधायकों - अनिल झा, कुलदीप कुमार, प्रेम चौहान और जरनैल सिंह को सदन से बाहर निकाल दिया गया।

गुप्ता ने दावा किया कि सत्ता में रहते हुए आप ने लोगों को मुफ्त चीजें दीं और इसे इस तरह पेश किया जैसे ''वे इसे अपनी जेब से खर्च कर रहे हों।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''वे दावा करते हैं कि केंद्र ने धन नहीं दिया। लेकिन उन्होंने विभिन्न योजनाओं के तहत केंद्र द्वारा दिए गए धन का कभी इस्तेमाल नहीं किया।''

जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द फिर से राज्य बनाया जाना चाहिए: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू एवं कश्मीर का यथाशीघ्र राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।

उत्तरी कश्मीर के बांदीपुरा जिले के सीमांत गुरेज सेक्टर में राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि काफी समय हो गया है जब उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा ''यथाशीघ्र'' बहाल करने को कहा था। अब्दुल्ला ने कहा, ''जब अदालत ने अनुच्छेद 370 मामले में अपना फैसला सुनाया, तो उसमें दो महत्वपूर्ण पहलू थे। एक (विधानसभा) चुनाव से संबंधित था, कि चुनाव एक समय सीमा के भीतर कराए जाने चाहिए। अदालत ने राज्य के दर्जा के बारे में भी बात की और कहा कि जम्मू-कश्मीर का जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''तब से काफी समय बीत चुका है। हम चाहते हैं कि जम्मू-कश्मीर जल्द से जल्द फिर से एक राज्य बने।''आदिवासी उत्सव का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि ऐसे आयोजन सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं।

उत्पादों की बाज़ार पहुंच बढ़ाने के लिए हथकरघा समूहों को उद्यमियों से जोड़ना ज़रूरी : गिरिराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि देशभर के सभी 797 हथकरघा समूहों को उद्यमियों से जोड़ने की ज़रूरत है ताकि घरेलू और वैश्विक बाज़ारों में ऐसे उत्पादों की पहुंच बढ़ाई जा सके।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि बुनकरों को उद्यमियों से जोड़ने से उनकी वार्षिक आय 10 लाख रुपए तक बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि हथकरघा उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए 100 हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों को एक ई-मंच से जोड़ा गया है। सिंह ने हथकरघा दिवस समारोह में कहा, ''आज, भारतीय हथकरघा उत्पादों को विदेशों तक पहुंचाने के लिए 100 कारीगरों को एक ई-मंच से जोड़ा गया है। मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हम लाखों हथकरघा कारीगरों को जोड़ेंगे। मेरी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यही इच्छा है कि उनकी औसत वार्षिक आय कम से कम 8-10 लाख रुपए हो। यह आधिकारिक तौर पर तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समारोह में क्यों शामिल नहीं हुईं, लेकिन सूत्रों ने बताया कि उनकी तबियत ठीक नहीं थी।

पंजाब में हथियारों की तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी के आरोप में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिनसे सात हथियार बरामद किए हैं। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि आरोपी पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में थे और भारत-पाकिस्तान सीमा के पास से अवैध हथियार प्राप्त करते थे। यादव ने कहा कि उनके पास से सात पिस्तौल बरामद की गई हैं। छेहरता थाना में हथियार अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूरे नेटवर्क और उसके संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।''

ईडी 'ठग' की तरह काम नहीं कर सकता, उसे कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक 'ठग' की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में ही रहना होगा। न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच किए गए मामलों में दोषसिद्धि की कम दर पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, हम प्रवर्तन निदेशालय की छवि को लेकर भी चिंतित हैं।

शीर्ष अदालत 2022 के फैसले की समीक्षा के अनुरोध वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था। केंद्र और ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने समीक्षा याचिकाओं की पोषणीयता पर सवाल उठाया और कम दोषसिद्धि दर के लिए प्रभावशाली आरोपियों की विलंबकारी रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। राजू ने कहा, रसूखदार बदमाशों के पास बहुत साधन होते हैं। वे कार्यवाही को लंबा खींचने के लिए अलग-अलग चरणों में आवेदनों पर आवेदन दायर करने के लिए वकीलों की फौज रखते हैं और मामले का जांच अधिकारी जांच में समय लगाने के बजाय किसी न किसी आवेदन के लिए अदालत के चक्कर लगाता रहता है। न्यायमूर्ति भुइयां ने अपने एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में ईडी द्वारा दर्ज किए गए 5,000 मामलों में से 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में दोषसिद्धि हुई है और इस तथ्यात्मक बयान की पुष्टि संसद में मंत्री द्वारा की गई है।

न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा, आप किसी ठग की तरह काम नहीं कर सकते, आपको कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा। मैंने अपने एक फैसले में देखा कि ईडी ने पिछले पांच सालों में लगभग 5,000 ईसीआईआर दर्ज की हैं, लेकिन दोषसिद्धि दर 10 प्रतिशत से भी कम है... इसीलिए हम आपसे आग्रह कर रहे हैं कि आप अपनी जांच में सुधार करें क्योंकि यह व्यक्ति की स्वतंत्रता से जुड़ा मामला है। न्यायाधीश ने कहा, हम ईडी की छवि को लेकर भी चिंतित हैं। 5-6 साल की न्यायिक हिरासत के बाद अगर लोग बरी हो जाते हैं, तो इसका खर्च कौन उठाएगा?

न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि सभी समस्याओं का समाधान टाडा और पोटा अदालतों की तरह समर्पित अदालतों से होना है और समर्पित पीएमएलए अदालतें दिन-प्रतिदिन की कार्यवाही कर सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप मामलों का शीघ्र निस्तारण हो सकेगा। उन्होंने कहा, हां, प्रभावशाली आरोपी अब भी कई आवेदन दायर करेंगे, लेकिन इन आरोपियों और उनके वकीलों को पता होगा कि चूंकि यह दिन-प्रतिदिन की सुनवाई है और उनके आवेदन पर अगले ही दिन फैसला हो जाएगा। उन पर कड़ी कार्रवाई करने का समय आ गया है। हम उनके प्रति सहानुभूति नहीं रख सकते।

जियो 6जी प्रौद्योगिकी के विकास पर कर रही काम: वार्षिक रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। डिजिटल सेवा कंपनी जियो 6जी प्रौद्योगिकी के विकास में सक्रिय रूप से लगी हुई है और कंपनी का लक्ष्य इस क्षेत्र में अगुवा बनने का है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, जियो अब दुनिया का सबसे बड़ा 'डेटा ऑपरेटर' है। भारत में वायरलेस डेटा ट्रैफिक में इसकी हिस्सेदारी लगभग 60 प्रतिशत है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''जियो भविष्य की संचार प्रौद्योगिकियों पर काम करना जारी रखे हुए है और 6जी प्रौद्योगिकी पर सक्रिय रूप से शोध एवं विकास कर रही है। इसका लक्ष्य इसके विकास और उपयोग में वैश्विक अगुवा बनना है।'' जियो की मूल कंपनी

आरआईएल की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट कहती है, ''एक दशक से भी कम समय में जियो ने अपने दृष्टिकोण और...निवेश के साथ देश को डेटा के अभाव से डेटा की प्रचुरता की स्थिति में पहुंचा दिया है।'' कंपनी स्थलीय संचार नेटवर्क के निर्माण में जियो की प्रौद्योगिकी क्षमता बढ़ाने के लिए अपना स्वयं का उपग्रह संचार मंच भी बना रही है। साथ ही भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स के साथ साझेदारी कर रही है। जियो नेटवर्क पर मार्च 2025 तक लगभग 19.1 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता थे। इनका वायरलेस डेटा ट्रैफिक में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान था।

फ्रीडम पार्क में होने जा रही वोट अधिकार रैली की तैयारियों का जायजा लेते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला एवं अन्य।

वोट अधिकार रैली : चुनावी धोखाधड़ी के खिलाफ कांग्रेस आज करेगा बड़ा शक्ति प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश में पिछले वर्ष हुए आम चुनाव के दौरान कर्नाटक में कथित धोखाधड़ी के विरुद्ध कांग्रेस की प्रस्तावित वोट अधिकार रैली' के लिए यहां मंच सजकर तैयार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आठ अगस्त को बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में आयोजित पार्टी की 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करेंगे। यह रैली कथित वोट चोरी के विरोध में आयोजित की जा रही है।

'वोट अधिकार रैली' के माध्यम से कांग्रेस ने चुनावी धोखाधड़ी के खिलाफ आंदोलन के लिए कर्नाटक को 'लॉन्च पैड' के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला किया है। पार्टी ने बुधवार को एक तैयारी बैठक आयोजित की, जिसमें राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार, कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला के अलावा पार्टी के कई नेता और मंत्री शामिल हुए।

कांग्रेस ने अपनी बात साबित करने के लिए महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में मतदान पैटर्न और मतदाता सूची को नमूना के तौर पर लिया है। पूरी लोकसभा सीट पर कांग्रेस को 6,26,208 वोट मिले, जबकि भाजपा को 6,58,915 वोट मिले। कांग्रेस वहां 32,707 मतों के अंतर से चुनाव हार गयी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि कांग्रेस ने सात में से छह सीट पर जीत हासिल की, लेकिन महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में उसे 1,14,000 से ज़्यादा वोट से हार का सामना करना पड़ा।

यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है जब बिहार में विधानसभा चुनाव नज़दीक हैं। गांधी के आरोप के बाद, सुरजेवाला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि ''भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) भाजपा के साथ मिलीभगत कर रहा है'' और लोकतंत्र एवं संविधान को नष्ट कर रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संरक्षक के तौर पर निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था, इसे भारतीय लोकतंत्र का अंतिम संस्कार करने वाला न बनने दें। उन्होंने कहा, कर्नाटक हमारे प्रतिरोध का केंद्र होगा। हम इस धोखाधड़ी का पर्दाफाश गली-गली और बूथ-बूथ पर करेंगे। चुप रहने का समय अब खत्म हो गया है। अब प्रतिरोध का समय है।

घोषणा पत्र के माध्यम से मतदाता सूची में शामिल व हटाए गए नाम साझा करें राहुल : सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी से उन मतदाताओं के नाम साझा करने को कहा, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया है कि उन्हें राज्य की मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल किया गया है या बाहर रखा गया है। साथ ही, उन्होंने राहुल गांधी से इस संबंध में एक हस्ताक्षरित घोषणा पत्र भी मांगा है, ताकि चुनाव प्राधिकारी इस मामले में आवश्यक कार्यवाही शुरू कर सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को शुक्रवार 1 से 3 बजे तक मिलने का समय भी दिया है। दरअसल, कर्नाटक चुनाव आयोग ने गुरुवार को राहुल गांधी द्वारा वोटर लिस्ट में धांधली के आरोपों पर प्रतिक्रिया दी। कर्नाटक के चुनाव आयुक्त ने राहुल गांधी से अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा है।

निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने कहा कि गांधी को या तो चुनाव संचालन नियमों के तहत एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना चाहिए और उन लोगों की सूची प्रस्तुत करनी चाहिए, जिनके बारे में उनका दावा है कि उन्हें मतदाता सूची में गलत तरीके से शामिल किया गया है या हटा दिया गया है या फिर उन्हें भारत के लोगों को गुमराह करना बंद करना चाहिए और चुनाव प्राधिकरण के खिलाफ निराधार आरोप लगाना बंद करना चाहिए।

गांधी द्वारा मतदान में धोखाधड़ी का आरोप लगाने के तुरंत बाद उन्हें लिखे पत्र में राज्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में संवाददाता सम्मेलन के दौरान, आपने मतदाता सूची में अयोग्य मतदाताओं को शामिल करने और योग्य मतदाताओं को बाहर करने के बारे में उल्लेख किया था...। पत्र में कहा गया, आपसे अनुरोध है कि कृपया मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 20(3)(बी) के अंतर्गत संलग्न घोषणा/शपथ पर हस्ताक्षर करें तथा उसे मतदाता(ओं) के नाम सहित वापस भेजें, ताकि आवश्यक कार्यवाही शुरू की जा सके। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में 1,00,250 मतों की वोट चोरी हुई है, जिसमें एक विधानसभा क्षेत्र में 11,965 डुप्लीकेट मतदाता हैं, 40,009 मतदाता फर्जी और अवैध पते वाले हैं, 10,452 मतदाता सामूहिक या एक जैसे पते वाले हैं, 4,132 मतदाता अवैध फोटो वाले हैं और 33,692 मतदाता नए मतदाताओं के फार्म 6 का दुरुपयोग कर रहे हैं।

निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने यहां बताया कि कर्नाटक के सीईओ को आज शाम तक गांधी से हस्ताक्षरित शपथपत्र मिलने की उम्मीद है। सीईओ ने कांग्रेस नेता को बताया कि मतदाता सूचियां जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950, मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 तथा समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार पारदर्शी तरीके से तैयार की जाती हैं। सीईओ ने बताया कि नवीनतम मतदाता सूची प्रक्रिया के अनुसार कांग्रेस के प्रतिनिधियों के साथ साझा की गई थी।

शिवकुमार द्वारा चलाए गए दोपहिया वाहन का यातायात उल्लंघन जुर्माना चुकाया गया

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार द्वारा हेब्बाल फ्लाईओवर लूप के निरीक्षण करने के दौरान चलाए गए दोपहिया वाहन पर लंबित 18,500 रुपये का यातायात जुर्माना वाहन मालिक ने चुका दिया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यातायात पुलिस के अनुसार, वाहन का मालिक छह अगस्त को आरटी नगर यातायात पुलिस थाने पहुंचा और पूरा जुर्माना चुका दिया। बेंगलूरु यातायात पुलिस की वेबसाइट के अनुसार, शिवकुमार ने पांच अगस्त को निरीक्षण के दौरान जो दोपहिया वाहन चलाया था, उस पर यातायात उल्लंघन के 34 मामले दर्ज थे। इन उल्लंघनों में बिला हेलमेट के वाहन चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना और निषिद्ध क्षेत्र या एकतरफा मार्ग में गाड़ी चलाना शामिल था। शिवकुमार ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो भी साझा किया था जिसमें वह हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन चलाते हुए नजर आ रहे हैं और 15 अगस्त को हेब्बाल फ्लाईओवर लूप के उद्घाटन की घोषणा कर रहे हैं।

बेंगलूरु मेट्रो पर तेजस्वी सूर्या का बयान, राज्य सरकार 'क्रेडिट चोर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने बेंगलूरु मेट्रो के विस्तार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि 2014 में जब मोदी सरकार आई थी, तब बेंगलूरु मेट्रो की लंबाई केवल 10 किलोमीटर थी। लेकिन, आज यह नेटवर्क लगभग 79 किलोमीटर तक फैल गया है। तेजस्वी सूर्या ने कहा, 10 अगस्त को जब येलो लाइन का उद्घाटन होगा, तब यह नेटवर्क लगभग 100 किलोमीटर का हो जाएगा। इसके साथ ही बेंगलूरु मेट्रो देश की दूसरी सबसे बड़ी और इंटर-कनेक्टेड मेट्रो बन जाएगी। उन्होंने इस विकास के लिए केंद्र सरकार और खासतौर पर प्रधानमंत्री मोदी के योगदान को अहम बताया।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राज्य सरकार 'क्रेडिट लेने की बीमारी' से ग्रस्त है। सूर्या ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ऐसे कामों का श्रेय लेना चाहती है, जिसमें उनका कोई योगदान नहीं है। उन्होंने इसका उदाहरण आईपीएल में आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर) की जीत से जोड़ा। उन्होंने कहा, आरसीबी की जीत खिलाड़ियों ने हासिल की थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ऐसे बर्ताव कर रहे थे, जैसे वही मैदान में खेले और जीत हासिल की।तेजस्वी सूर्या ने येलो लाइन प्रोजेक्ट में आई चुनौतियों का भी विस्तार से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में इस प्रोजेक्ट को लेकर कई कठिनाइयां आईं। भूमि अधिग्रहण की दिक्कतों में सभी ने मिलकर मदद की, लेकिन कांग्रेस नदारद रही। कोरोना काल में जब पूरा देश ठप पड़ा था, तब भाजपा सरकार (येडीयुरप्पा और बोम्मई के नेतृत्व में) ने काम तेज किया। चीन और भारत की सीमा पर तनाव (गलवान संघर्ष) के कारण रोलिंग स्टॉक बनाना और लाना मुश्किल हो गया था। सॉफ्टवेयर और अन्य तकनीकी समस्याओं पर काम किया गया, लेकिन राज्य सरकार का सहयोग नहीं मिला।

सूर्या ने कहा कि जब यह प्रोजेक्ट पूरा होने वाला है और 10 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन करने वाले हैं, तब कांग्रेस सरकार अचानक सक्रिय हो गई है। उपमुख्यमंत्री मीडिया को साथ लेकर मेट्रो में सवारी कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि यह राज्य सरकार का प्रोजेक्ट है।

बेंगलूरु-बेलगावी के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे, यात्रियों की सुविधा और उत्तर कर्नाटक और राज्य की राजधानी के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए केएसआर बेंगलूरु और बेलगावी (ट्रेन संख्या 26752/26751) के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन सेवा बुधवार को छोड़कर, सप्ताह में छह दिन चलेगी।

नई वंदे भारत एक्सप्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को केएसआर बेंगलूरु से औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। हरी झंडी दिखाने के बाद, एक उद्घाटन विशेष ट्रेन (ट्रेन संख्या 06575 केएसआर बेंगलूरु-बेलगावी वंदे भारत एक्सप्रेस, (एकतरफ़ा) केएसआर बेंगलूरु से सुबह 11:15 बजे प्रस्थान करेगी। रास्ते में, यह यशवंतपुर, तुमकुरु, दावणगेरे, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली और धारवाड़ स्टेशनों पर रुकेगी और उसी दिन 20:00 बजे बेलगावी पहुँचेगी।

ट्रेन संख्या 26751/26752 की नियमित सेवाएँ 11 अगस्त 2025 से शुरू होंगी।

ट्रेन संख्या 26751 बेलगावी - केएसआर बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस बेलगावी प्रस्थान धारवाड़, एसएसएस हुब्बल्ली, एसएमएम हावेरी, दावणगेरे, तुमकुरु और यशवंतपुर होते हुए केएसआर बेंगलूरु पहुंचेगी। इस ट्रेन में 08 कोच होंगे, जिनमें 04 मोटर कार, 01 ट्रेलर कार, 01 एक्जीक्यूटिव क्लास ट्रेलर कार और 02 ड्राइविंग ट्रेलर कार शामिल हैं। यह वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों को तेज़, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो एक बेहतर यात्रा अनुभव के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है।

विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार एवं अन्य।

नगर पंचायत की नामपट्टी जल्द ही बदलकर बेंगलूरु दक्षिण नगर निगम हो जाएगी : डीके शिवकुमार

ईएलसीआईटीए से फ्लाईओवर निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, मुझे विश्वास है कि वर्तमान में दोड्डाटोगुर नगर पंचायत वाली नामपट्टी जल्द ही बदलकर बेंगलूरु दक्षिण नगर निगम हो जाएगी। आप जो बेंगलूरु शहरी क्षेत्र में रहते हैं, आपको सभी बुनियादी सुविधाएँ प्राप्त करने का अधिकार है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को बेंगलूरु दक्षिण तालुका में डोड्डाटोगुर नगर पंचायत कार्यालय के नए भवन के शिलान्यास समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा, आपको भी गर्व होना चाहिए कि हम बेंगलूरु शहर में हैं। मैंने इस नगर पंचायत की सीमा के भीतर 28 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों को अनुमति दी है।

मैंने इस निर्वाचन क्षेत्र को बहुत करीब से देखा है। बगल में इलेक्ट्रॉनिक सिटी है। विधायक कृष्णप्पा समेत कई लोगों ने शिकायत की है कि इस इलाके में टैक्स का भुगतान ठीक से नहीं हो रहा है। हमारी सरकार बेंगलूरु को नया रूप दे रही है। ग्रेटर बेंगलूरु समेत कोई भी विकास कार्य चुनाव को ध्यान में रखकर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी बिल पहले ही पारित हो चुका है। इसके तहत पाँच निगम बनाने का फैसला किया गया है और सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा गया है कि इनके लिए चुनाव होंगे। चुनाव किसी भी कारण से नहीं रोके जाएँगे।

उन्होंने कहा कि निगमों में कितने वार्ड होने चाहिए, इसकी अंतिम रूपरेखा 31 अक्टूबर तक तय कर ली जाएगी। इस बीच, विधायक और हमारे नेता इस बात पर दबाव बना रहे हैं कि इस इलाके को भी ग्रेटर बेंगलूरु में शामिल किया जाए। यह बहुत ज़रूरी है। आनेकल विधायक शिवन्ना, रमेश और पूर्व सांसद सुरेश ने कई बार मेरे सामने प्रस्ताव रखा है। हमने इसके लिए एक खाका तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा, आपके इलाके में जल्द ही चुनाव होंगे। नगरपालिकाओं और इस नई नगर पंचायत को एक साथ और समान रूप से आगे बढ़ना चाहिए। अब से आपको बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र की नगरपालिका में शामिल किया जाएगा। आपको इससे दूर नहीं रखा जा सकता।

उन्होंने कहा कि पानी के मुद्दे पर, सुरेश पहले ही प्रस्ताव दे चुके हैं और उसे मंज़ूरी दे चुके हैं। विधायक कृष्णप्पा, रमेश, गोपीनाथ, रामोजी गौड़ा और अन्य ने पानी की आपूर्ति की माँग की है, और अगले हफ़्ते एक बैठक होगी जिसमें यह तय किया जाएगा कि कावेरी का पानी आपके साथ कैसे बाँटा जाए।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपील की, हमने बेंगलूरु शहर में 113 किलोमीटर फ्लाईओवर, 40 किलोमीटर से ज़्यादा डबल डेकर सड़कें और एक नई सुरंग सड़क के निर्माण की तैयारी की है। इसके ज़रिए बेंगलूरु के भविष्य को एक नया रूप दिया जा रहा है। मनमोहन सिंह के समय में हवाई अड्डे, इलेक्ट्रॉनिक सिटी और नेलमंगला के लिए फ्लाईओवर बनाए गए थे। जब प्रधानमंत्री आएंगे, तो मैं उनके सामने कुछ विचार रखूँगा। हम जानते हैं कि अगर हमारे समय में इस क्षेत्र के लिए कोई ऐतिहासिक फैसला नहीं लिया गया, तो भविष्य में किसी भी कारण से नहीं लिया जाएगा। इसलिए आप सभी अपनी पार्टी की संबद्धता भूलकर हमारी सरकार और इस डी.के. शिवकुमार को आशीर्वाद दें और उन्हें अपना सहयोग दें।

धर्मस्थल में कुछ यूट्यूबर और स्थानीय लोगों में हिंसक झड़प मामले में सात प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थल (दक्षिण कन्नड़)। कर्नाटक के धर्मस्थल के पांगल क्रॉस इलाके में कुछ यूट्यूबर और स्थानीय लोगों के बीच बुधवार को हुई हिंसक झड़प के मामले में पुलिस ने अब तक कुल सात प्राथमिकियां दर्ज की हैं, जिनमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट करने, धमकी देने और दंगा भड़काने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि यह झड़प यूट्यूबरों, मीडियाकर्मियों और स्थानीय निवासियों के बीच बुधवार शाम को हुई थी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में चार मामले धर्मस्थल पुलिस थाने में और तीन मामले बेलथांगडी पुलिस थाने में दर्ज किए गए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इस झड़प के सिलसिले में पहली शिकायत बंटवाल निवासी 'कुडला रैम्पेज' नामक यूट्यूब चैनल के मालिक अजय ने दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, जब वह पांगल क्रॉस पर एक व्यक्ति की वीडियो बाइट ले रहे थे, तभी 15 से 50 उपद्रवियों के एक समूह ने उनपर, उनके कैमरामैन सुहास, संचारी स्टूडियो के संतोष एवं यूनाइटेड मीडिया के अभिषेक पर हमला कर दिया। दूसरा मसला पुलिस ने स्वत: संज्ञान के आधार पर दर्ज किया है, जिसमें गैर-कानूनी जमावड़ा और दंगा का आरोप है। पुलिस के अनुसार, पांगल क्रॉस पर लगभग 25 से 50 लोग दो अलग-अलग समूहों में आपराधिक कृत्य करने के इरादे से अवैध रूप से इकट्ठा हुए थे। प्रवक्ता के अनुसार, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें वहां से जाने के लिए कहा, जिसके बावजूद वहां जमा लोगों ने पुलिस के काम में बाधा डाली और आपस में भिड़ गए।

तीसरा मसला थाने के बाहर प्रदर्शन से जुड़ा है और इसे भी पुलिस ने स्वत: संज्ञान के आधार पर दर्ज किया है। इस प्राथमिकी के अनुसार, पांगल क्रॉस की घटना के संबंध में लगभग 50-100 लोगों ने बिना किसी पूर्व अनुमति के धर्मस्थल पुलिस थाने के परिसर के सामने अवैध रूप से भीड़ जमा कर प्रदर्शन किया। चौथी प्राथमिकी एक अन्य व्यक्ति पर हमले से जुड़ी है, जिसमें बेलथांगडी निवासी प्रमोद कुमार शेट्टी (42) ने शिकायत दर्ज कराई है कि जब वह यूट्यूबरों पर हमले की खबर सुनकर मौके पर पहुंचे तो वहां मौजूद 30 से 40 लोगों के एक समूह ने उन्हें गाली दी और उन पर हमला किया। आरोप है कि मौके पर मौजूद दो वाहनों और एक कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसके अलावा पुलिस ने इस घटना के संबंध में बेलथांगडी पुलिस थाने में भी तीन मामले दर्ज किये हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि इस थाने में दर्ज पहला मामला सुवर्ण चैनल के पत्रकार पर हमले से जुड़ा है। चैनल के क्राइम रिपोर्टर बेंगलूरु निवासी हरीश आर ने शिकायत दर्ज कराई है कि जब वह झड़प में घायल लोगों की रिपोर्ट करने उजिरे के बेनाका अस्पताल गए तो उन्होंने गिरीश मट्टण्णनवर से वीडियो बाइट देने के लिए कहा। शिकायत के अनुसार, इस पर आरोपियों ने अचानक उन्हें गाली देनी शुरू कर दी। महेश शेट्टी तिमरोडी और उनके साथियों पर मारपीट का आरोप है। वहीं इस मामले में समीर नामक एक यूट्यूबर पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। इस बीच बेलथांगडी निवासी गणेश शेट्टी ने भी रिपोर्टर के खिलाफ जवाबी शिकायत दर्ज कराई है। उनके अनुसार, जब वह घायलों को लेकर बेनाका अस्पताल आए तो सुवर्ण न्यूज के रिपोर्टर और कैमरामैन ने महेश शेट्टी तिमरोडी और गिरीश मट्टण्णनवर को बाइट देने के लिए रोक लिया।

आरोप के अनुसार, जब उन्होंने बाइट देने से इनकार किया तो रिपोर्टर और कैमरामैन ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया तथा धक्का-मुक्की की। शिकायत में यह भी कहा गया है कि कुछ देर बाद सुवर्ण न्यूज के एंकर अजित हनुमक्कनवर ने महेश शेट्टी तिमरोडी द्वारा सुवर्ण न्यूज चैनल के रिपोर्टर पर ''हमला'' की झूठी खबर प्रसारित की। इस सिलसिले में तीसरा तीसरा मामला अस्पताल के बाहर प्रदर्शन से जुड़ा है। इस मामले में पुलिस को सूचना मिली कि उजिरे के बेनाका अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर लगभग 50 से 100 लोग अवैध रूप से इकट्ठा होकर नारे लगा रहे थे। पुलिस के निर्देशों का पालन न करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में यह मामला दर्ज किया गया है। इस अस्पताल में घायलों को भर्ती कराया गया था। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस सभी मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है और जांच जारी है। इससे पूर्व धर्मस्थल में कथित सामूहिक दफन मामले की जांच को लेकर बुधवार को स्थानीय लोगों और कुछ यूट्यूबर के बीच जमकर मारपीट हुई और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा तथा इस हिंसक झड़प में कुछ यूट्यूबर और कैमरामैन समेत कई लोग घायल हो गये, जिनमें से चार लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल इलाके में स्थिति शांत है।

बीसीआईसी ने तीसरे नेतृत्व शिखर सम्मेलन शहर विकास पर चर्चा हुई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स (बीसीआईसी) ने गुरुवार को बेंगलूरु के होटल में तीसरे बीसीआईसी नेतृत्व शिखर सम्मेलन 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। बीसीआईसी नेतृत्व मंच के तहत सबसे प्रतीक्षित वार्षिक आयोजनों में से एक माने जाने वाले इस शिखर सम्मेलन ने विभिन्न क्षेत्रों के सी-सूट नेताओं, उद्यमियों और निर्णयकर्ताओं के लिए एक उच्च-प्रभावी सम्मेलन के रूप में अपनी विरासत को जारी रखा है। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन में 150 से अधिक सी-सूट नेताओं की भारी भागीदारी और उत्साह देखने को मिला, जिसने निरंतर सीखने और नेतृत्व उत्कृष्टता के एक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए बीसीआईसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस अवसर पर बोलते हुए, बीसीआईसी के अध्यक्ष प्रशांत गोखले ने ज़ोर देकर कहा बीसीआईसी लीडरशिप फ़ोरम विशेष रूप से सी-सूट लीडर्स के लिए तैयार किया गया है। इसे वरिष्ठ व्यावसायिक पेशेवरों को अनुभव साझा करने, टीम निर्माण, व्यावसायिक सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतिक नेटवर्किंग के लिए एक साझा मंच पर लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पूरी तरह से प्रेरणा पर आधारित है।

धर्मस्थल मामला : कर्नाटक उच्च न्यायालय के मीडिया प्रतिबंध हटाने के आदेश पर सुनवाई करेगी शीर्ष अदालत

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस हालिया आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा, जिसमें धर्मस्थल 'सामूहिक कब्र' मामले की रिपोर्टिंग पर लगे मीडिया प्रतिबंध को रद्द कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को बेंगलूरु दीवानी अदालत द्वारा जारी उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें कब्र के मामले की रिपोर्टिंग पर रोक लगा दी गई थी।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष एक वकील ने कहा, करीब 8,000 यूट्यूब चैनल धर्मस्थल मंदिर के खिलाफ अपमानजनक तथ्य प्रसारित कर रहे हैं। उन्होंने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। धर्मस्थल मंदिर निकाय के सचिव हर्षेन्द्र कुमार डी. ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर मंदिर का प्रबंधन करने वाले परिवार को निशाना बनाने वाले अपमानजनक विषय-वस्तु को हटाने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति गवई की अगुवाई वाली पीठ ने 23 जुलाई को यूट्यूब चैनल थर्ड आई' द्वारा दायर एक अन्य याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था, जिसमें कर्नाटक के धर्मस्थल के धर्माधिकारी डी. वीरेंद्र हेगड़े के भाई से संबंधित मामलों पर रिपोर्टिंग करने से मीडिया संस्थानों को रोकने वाले व्यापक प्रतिबंध आदेश को चुनौती दी गई थी। यह आदेश राज्य के दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल में महिलाओं की कथित हत्या किये जाने और उन्हें दफनाये जाने की खबरों पर दिया गया था।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: B-SG-Proj-SBC-MYS-Auto
दिनांक: 17.07.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
दक्षिण पश्चिम रेलवे का बेंगलूरु और मैसूरु विभागों पर के.एस.आर. बेंगलूरु सिटी जं - मैसूरु जं. विभाग में स्वयंचालित सिग्नलिंग व्यवस्था का प्रावधान।	रु. 89,86,86,549.09

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि:
29.08.2025, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/परियोजना/बेंगलूरु
PUB/352/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज को सही दिशा देने एवं देश-प्रदेश को मजबूत करने में महिलाओं की अहम भूमिका है। महिला एक कदम चलेगी तो राजस्थान सौ कदम आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार भी इस आधी आबादी की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया सरकार एवं जनता के मध्य सेतु की तरह कार्य करता है। ऐसे में हमारी महिला पत्रकार भारत और राजस्थान की शिल्पकार के रूप में बेहतरीन काम कर रही हैं।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन-मीडिया की बहनों का सम्मान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी महिला पत्रकारों को राखी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार हमारी संस्कृति में भाई-बहन के परस्पर स्नेह का द्योतक है। बहन द्वारा बांधा गया रक्षा सूत्र भाई को सुरक्षा कवच देता है। आपका यह भाई आपकी हर तरीके से सुरक्षा एवं सहयोग के लिए तैयार खड़ा है। उन्होंने कहा कि महिला पत्रकार बड़ी जिम्मेदारी से लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रही हैं। आपकी लेखनी और आपके द्वारा कही गई हर बात समाज में विश्वास पैदा करता है। इस आधी आबादी के सहयोग से ही हम हर लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, मा वाउचर योजना के तहत निशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना, स्कूटी और साइकिल वितरण जैसी योजनाओं एवं नवाचारों से महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, तीन महिला बटालियन, 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड, पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में नई उड़ान मिली है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाएं मजबूत हो रही हैं। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम', स्वच्छता अभियान जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में जनसहभागिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने सभी महिलाओं से अपील की कि वे नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए राज्य एवं केन्द्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद करें।

इस अवसर पर विभिन्न मीडिया संस्थाओं की महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा। महिला पत्रकारों ने कहा कि यह पहला अवसर है जब हम महिला मीडियाकर्मियों ने मुख्यमंत्री के राखी बांधी है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार महिलाओं के हितों के लिए सजग है। हमारे भाई भजनलाल जी राजस्थान में महिला सुरक्षा एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए बेहतरीन काम कर रहे हैं। सरल व्यक्तित्व के धनी शर्मा गरीब, महिला, युवा, किसान के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। महिला मीडियाकर्मियों ने शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है जिससे समाज में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ी है तथा प्रशासन में विश्वास कायम हुआ है। इस दौरान बड़ी संख्या में मीडिया जगत से जुड़ी महिला पत्रकार मौजूद रहीं।

कांवड़ लेकर लौट रहे भरतपुर जिले के तीन युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले के बयाना के तीन युवकों की उत्तर प्रदेश के मथुरा में सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी और एक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बयाना के लहचोरा गांव के चार युवक डाक कांवड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रॉली से बयाना लौट रहे थे। तड़के करीब तीन बजे मथुरा के जमनापार थाना क्षेत्र में नगला सिरिया गांव के पास जयपुर-बरेली बायपास पर वहां से गुजर रहे एक ट्रक का टायर फट गया जिससे वह अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गया। इससे ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार भीम, भूपेंद्र और बबली की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे मथुरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मथुरा के पुलिस अधीक्षक (सिटी) राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। मृत युवकों के शव सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिये। परिजनों के आने के बाद शवों का पोस्टमॉर्टम किया जायेगा।

दस पाकिस्तान विस्थापितों को सौंपे नागरिकता प्रमाण पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को यहां 10 पाकिस्तान विस्थापितों को भारतीय नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपा। पटेल ने श्रीमती संगीता, हरिचंद, श्रीमती चमेली बाई, मुकेश कुमार, श्रीममुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इसी संवेदनशीलता के चलते बरसों से भारतीय नागरिकता के लिए प्रयास कर रहे 10 पाक विस्थापितों के लिए गुरुवार का दिन खुशियां लेकर आया। कलियां देवी, कंवर लाल, संतोष कुमार, सुनित कुमार, श्रीमती राजकुमारी एवं सुखिआना माहेश्वरी को नागरिता प्रमाण पत्र सौंपे।

भारतीय नागरिकता प्राप्त करने वाले पाक विस्थापितों को शुभकामनाएं देते हुए प्रभारी मंत्री पटेल ने कहा कि आज का दिन उन सभी पाक विस्थापित भाइयों-बहनों के लिए एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण है, जिन्होंने वर्षों तक अपने अधिकारों और पहचान की प्रतीक्षा की। भारतीय नागरिकता प्राप्त कर अब आप विधिवत रूप से इस महान राष्ट्र का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। यह नागरिकता केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि भारत माता की गोद में मिला सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मगौरव है। हमारी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सभी भारत की उन्नति और समरसता में सक्रिय भागीदार बनेंगे। वहीं, अरसे बाद नागरिकता प्रमाण पत्र मिलने पर पाक विस्थापितों की आंखें छलक आईं।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि बरसों की बेमुल्क ज़िंदगी के बाद अब हमें अपनी मिट्टी से कानूनी पहचान मिली है, आज कई सालों का लंबा इंतजार खत्म हुआ है और आज हम फक्र के साथ कह सकते हैं कि हम भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकता का प्रमाण नहीं होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ भी उन्हें नहीं मिल पा रहा था लेकिन अब भारतीय नागरिकता मिलने के बाद ना केवल उन्हें पहचान मिली है बल्कि अब सरकारी योजनाओं की मदद से वे अपने परिवार का भरण पोषण बेहतर तरीके से कर पाएंगे। नागरिक प्रमाण पत्र वितरण समारोह में राजस्थान जीव जंतु बोर्ड कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह विश्नोई जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) संतोष मीणा सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि जयपुर जिला प्रशासन द्वारा भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की विभिन्न धाराओं के तहत पात्रता प्राप्त करने एवं विहित प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात अब तक कुल 340 पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र जारी किये गए हैं।

जैसलमेर जिले में 70 से अधिक विद्यालय भवन जर्जर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले में गत दिनों पूनमनगर विद्यालय में छात्र की मौत के बाद जिले में सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में कराये गये भौतिक सर्वेक्षण में 70 से अधिक विद्यालयों के भवन जर्जर हालत में पाये गये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि इस दौरान करीब 2100 से अधिक विद्यालय कक्षों को असुरक्षित पाया गया। इन जर्जर कक्षों में कक्षाओं का संचालन नहीं हो रहा है। निरीक्षण के उपरांत जिन विद्यालय भवनों एवं कक्षों को जर्जर पाया गया, उन पर ताला लगाने एवं लाल निशान लगाने के निर्देश दिये गये हैं। नगर परिषद द्वारा क्षेत्र के जर्जर मकानों का सर्वेक्षण करके संबंधित मकान मालिकों किसी भी प्रकार की जनहानि न हो इसके लिए अपने स्तर पर हटाने या उतरवाने के लिए 29 जर्जर इमारतों के मालिकों को तीन दिन के नोटिस द्वारा सूचित किया गया और सोनार दुर्ग पर दो अति जर्जर मकानों को ध्वस्त किया गया।

सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार अतिरिक्त जिला कलेक्टर परसा राम के नेतृत्व में विशेष जांच दलों का गठन करके विद्यालयों भवनों का सघन निरीक्षण करवाया गया। इन दलों में सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर परिषद, डिस्कॉम, वाटरशेड, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और अन्य संबंधित विभागीय अभियंताओं को शामिल किया गया। दलों ने उपखंड अधिकारियों के निर्देशन में जैसलमेर की विभिन्न ग्राम पंचायतों की विद्यालयों का संघन निरीक्षण किया।

गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए उच्च अधिकारियों को किया नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिवालय में गुरुवार को अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की तृतीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की बैठक में गुर्जर आरक्षण समिति द्वारा सुझाए सातों बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा उपरांत महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में समिति ने सिकंदरा के स्वर्गीय रूपनारायण गुर्जर के आश्रित को नगरीय निकाय विभाग में अनुकंपा नियुक्ति तथा पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया। समिति ने शिक्षा व अन्य विभागों में एमबीसी कार्मिकों के नियमितीकरण,पदोन्नति सहित विभिन्न लंबित विषयों के निस्तारण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अधीन कार्मिकों को अधिकार देने का सकारात्मक निर्णय लिया। बैठक में गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए जिला स्तर पर अतिरिक्त अधीक्षक पुलिस रेंक के अधिकारी को नोडल व राज्य स्तर पर कॉर्डिनेशन के लिए महानिरीक्षक पुलिस स्तर के अधिकारी को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, शेष बिंदुओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने की दिशा में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्रीमती अपर्णा अरोरा, शासन सचिव, कार्मिक विभाग डॉ. कृष्णा कान्त पाठक, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान के किसान करेंगे नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया का भ्रमण

जयपुर । राज्य सरकार किसानों की क्षमता संवर्धन के दृष्टिगत उन्हें कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों के उपयोग के लिए निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नॉलेज इनहांसमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत प्रदेश के 100 किसानों के विदेश भ्रमण और प्रशिक्षण की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा की इस स्वीकृति से एफपीओ के 100 किसान नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्राजील का भ्रमण करेंगे। इस एक्सपोजर विजिट में किसान नवीनतम तकनीकों एवं नवाचार के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

राजनीतिक दल मतदान केन्द्रों के लिए नियुक्त करें बूथ स्तरीय अभिकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं इसमें शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तावित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन/सुव्यवस्थीकरण के संदर्भ में उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जयपुर आशीष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में गुरुवार को राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025-26 के अन्तर्गत मतदाता सूचियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं इसमें शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की ओर से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों पर 1 व 2 बूथ स्तरीय अभिकर्ता अनिवार्य रूप से नियुक्त किये जाएं। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस पर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की भीड़ को कम करने के उदेश्य से 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों का सुव्यवस्थिकरण / पुनर्गठन / नवसृजन/विभाजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया की जयपुर जिले में वर्तमान में 4302 मतदान केन्द्र स्थापित हैं। पुनर्गठन प्रक्रिया में 2143 मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन किया जा रहा है, 180 मतदान केन्द्रों का विभाजन किया जा रहा है।

जिससे करीब 741 नवीन मतदान केन्द्रों का सृजन होगा। जिसके पश्चात जिले में मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 5043 हो जायेगी। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन अन्तिम बार वर्ष 2002 में किया गया था।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने किया भरतपुर व दौसा जिलों का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने गुरुवार को दौसा में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की उच्च तकनीकों का निरीक्षण किया एवं भरतपुर के हिंगोटा एवं खटोरी में फूडपार्क स्थल व निठार एवं मई गुर्जर में मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र के लिए स्थल चयन हेतु मौका निरीक्षण किया, जिसमें विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण भी मौजूद रहे। शासन सचिव राजन विशाल ने भरतपुर जिले की पंचायत समिति भुसावर के गांव मालपुरा में सांथा बॉर्डर के पास एवं मई गुर्जर का भ्रमण किया।

यहां माननीय मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के तहत प्रस्तावित मधुमक्खी पालन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना हेतु उपयुक्त स्थल चयन के लिए विभागीय अधिकारियों से बातचीत की। भ्रमण के दौरान हल्का पटवारी से मालपुर व निठार क्षेत्र में भूमि उपलब्धता की जानकारी ली तथा क्षेत्र में मधुमक्खियों के लिए पूरे वर्ष फ्लोरा की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई। इसके बाद शासन सचिव द्वारा नदबई पंचायत समिति के गांव खटौटी में कृषि विपणन बोर्ड द्वारा तैयार किए जा रहे फूड प्रोसेसिंग पार्क का भी निरीक्षण किया गया। शासन सचिव राजन विशाल ने दौसा जिले के नांगल राजावतान क्षेत्र के कोल्यावास गांव में कृषक सीताराम मीणा के खेत का भ्रमण किया, जहां अटल भूजल योजना के अंतर्गत वर्षा आधारित उच्च उद्यानिकी तकनीकों का मॉडल तैयार किया गया है। इस तकनीक के अंतर्गत वर्षा जल का संग्रहण कर फार्म पॉण्ड, सोलर पंप, पोलीहाउस, ड्रिप इरिगेशन, मिनी स्प्रिंकलर, मल्च, ग्रीनहाउस आदि आधुनिक तकनीकों के माध्यम से टिकाऊ खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषक मीणा ने बताया कि अटल भूजल योजना से उन्हें वर्षा जल संग्रहण द्वारा लाभ हुआ है और अब वे जैविक खेती कर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

विशेषज्ञों ने राजस्थान में गोडावण के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र बढ़ाने का सुझाव दिया : केंद्र सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय को सूचित किया कि राजस्थान में गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) के पर्यावासों में अतिरिक्त 850 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जोड़ने का सुझाव दिया गया है। विलुप्तप्राय ये पक्षी विशेष रूप से राजस्थान और गुजरात में पाए जाते हैं और उनकी संख्या में चिंताजनक कमी का कारण उनके पर्यावास के निकट बने सौर संयंत्रों सहित ओवरहेड विद्युत पारेषण लाइन के साथ बार-बार टकराने को माना जा सकता है। इन पक्षियों की आंखें उनके सिर के किनारों पर होती हैं इसलिए उनकी दृष्टि पार्श्व होती है तथा जब सामने तार आ जाते हैं तो उन्हें अपनी उड़ान का मार्ग बदलने में कठिनाई होती है।

यह देखते हुए कि ये पक्षी एक विलुप्तप्राय प्रजाति हैं और जिनके तत्काल संरक्षण की आवश्यकता है, उच्चतम न्यायालय ने पिछले वर्ष मार्च में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था और बिजली के तारों को भूमि के नीचे बिछाने और राजस्थान तथा गुजरात में गोडावण (जीआईबी) के संभावित पर्यावासों पर सुझाव देने को कहा था। यह मामला बृहस्पतिवार को न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर

जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि शुरुआत में राजस्थान और गुजरात में लगभग 99,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया था, जहां गोडावण के संरक्षण के लिए नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं नहीं लग सकीं।

मार्च 2024 के फैसले का हवाला देते हुए, भाटी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने समिति का गठन किया था, जिसने राजस्थान और गुजरात के लिए दो रिपोर्ट पेश की हैं। उन्होंने कहा कि फैसले में प्राथमिकता और संभावित क्षेत्रों का उल्लेख किया गया था। भाटी ने कहा कि समिति का मत है कि राजस्थान में लगभग 13,000 वर्ग किलोमीटर का मूल प्राथमिकता वाला क्षेत्र निषिद्ध तथा प्राथमिकता वाला क्षेत्र बना रहना चाहिए। उन्होंने रिपोर्ट के कुछ पहलुओं पर असहमति जताते हुए कहा, इसके अलावा, समिति ने 850 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अतिरिक्त प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में जोड़ने की सिफारिश की है, जो पूरी तरह से निषिद्ध बनी रहनी चाहिए। भाटी ने कहा कि अदालत को दोनों रिपोर्ट पर विचार करना होगा।

राजस्थान के मामले में फैसले में कहा गया था कि 13,163 वर्ग किलोमीटर प्राथमिकता क्षेत्र, 78,580 वर्ग किलोमीटर संभावित क्षेत्र और 5,977 वर्ग किलोमीटर अतिरिक्त महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। इसी प्रकार, गुजरात के मामले में फैसले में कहा गया था कि 500 वर्ग किलोमीटर प्राथमिकता क्षेत्र, 2,100 वर्ग किलोमीटर संभावित क्षेत्र और 677 वर्ग किलोमीटर अतिरिक्त महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने पूछा कि क्या समिति की सिफारिशों का कोई विरोध हुआ है। पीठ ने मामले की सुनवाई 16 सितंबर के लिए स्थगित कर दी।

संभल कोई विवाद नहीं बल्कि सच्चाई है, सच छुपाने वालों को सजा जरूर मिलेगी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संभल कोई विवाद का विषय नहीं, बल्कि एक सच्चाई है और इस सत्य को छुपाने वाले लोगों को उनके 'पाप' की सजा जरूर मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने संभल में 659 करोड़ रुपए की 222 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद अपने सम्बोधन में कहा कि संभल आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरि और हर यानी विष्णु और शिव का जहां सामूहिक रूप से दर्शन हो सकता हो, वही हरिहर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पावन ग्रंथों में माना गया है कि भगवान विष्णु का दसवां अवतार इसी संभल में होगा, मगर कुछ लोगों को यह विवादित विषय लगता है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, ''कुछ लोगों को यह विवादित विषय लगता होगा, क्योंकि जिनकी पृष्ठभूमि ही विवादित है, जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि ही उनकी विरासत है, उन्हें हिंदू परंपरा में विवाद नजर आता है... लेकिन यह विवाद का विषय नहीं हो सकता।'' आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण, स्कंद पुराण और विष्णु महापुराण में भी संभल का जिक्र मिलता है। यह पुराण 'चिल्ला चिल्ला कर' इस बात का उल्लेख कर रहे हैं कि भगवान विष्णु का दसवां अवतार कल्कि के रूप में संभल में ही होगा। उन्होंने कहा, ''स्कंद पुराण में इस बारे में कहा गया है कि संभल नगर भागीरथी गंगा और रामगंगा के मध्य में 36 किलोमीटर के दायरे में स्थित है। श्रीमद् भागवत पुराण में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि चंद्रमा, सूर्य और बृहस्पति तीनों ग्रह जब पुष्य नक्षत्र के प्रथम चरण में एक साथ प्रवेश करेंगे तभी सतयुग का प्रारंभ होगा और श्री कल्कि श्री विष्णु के अवतार के रूप में आएंगे।''

मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, ''अब जिसके पास दृष्टि न हो उसके बारे में हम क्या कह सकते हैं। संभल एक सच्चाई है। इस सच्चाई का उल्लेख हमारे ग्रंथ करते हैं। यहां 68 तीर्थ थे और 19 पावन कूप थे। परिक्रमा का मार्ग था.... सब कुछ था। कैसे विदेशी आक्रांताओं ने बार-बार अत्याचारों से इन तीर्थों को नष्ट किया, अपवित्र किया, तीर्थों और कूपों पर कब्जे हो गए, मार्ग तोड़ दिए गए, 284 कोसी के परिक्रमा मार्ग को बाधित किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि सच को छुपाने का कुत्सित प्रयास किया गया।'' उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, ''आजादी के बाद संभल के साथ क्या नहीं हुआ।

लोकसभा में मणिपुर वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, मणिपुर विनियोग विधेयक पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर लोकसभा में बृहस्पतिवार को विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के बीच मणिपुर वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर विनियोग विधेयक, 2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन पर निशाना साधते हुए कहा, ''मणिपुर के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाले विपक्षी दल मणिपुर के हित में जो पैसा जा रहा है, उसके खिलाफ बोल रहे हैं।'' सीतारमण ने कहा कि विपक्ष हमेशा मणिपुर के बारे में बातें करता है लेकिन वे मणिपुर को धनराशि नहीं जाने दे रहे हैं और (मणिपुर के) बजट के खिलाफ बोल रहे हैं। जीएसटी परिषद द्वारा अनुमोदित निर्णयों को लागू करने के लिए पारित किया गया मणिपुर वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 इस संबंध में लागू किए गए मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश, 2025 का स्थान लेगा। विधेयक को चर्चा और पारित करने के लिए पेश करते हुए, सीतारमण ने कहा कि संशोधन एक संवैधानिक आवश्यकता है जिस पर अभी विचार किया जाना चाहिए।

वित्त मंत्री ने कहा, ''अगर यह अभी पारित नहीं होता है, तो राज्य को उन संशोधनों को लागू करने में कठिनाई होगी, जिन्हें परिषद द्वारा लंबे समय से अनुमोदित किया गया है। उनका राजस्व प्रभावित होगा क्योंकि उनके पास कुछ वस्तुओं पर (कर) लगाने का अधिकार नहीं होगा।'' अन्य संशोधनों के अलावा, यह विधेयक मणिपुर जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 9 में बदलाव करने का प्रस्ताव करता है, जिससे राज्य को ''मानव उपभोग के लिए शराब के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले अल्कोहल या संशोधित स्पिरिट पर राज्य कर लगाने'' की अनुमति मिल जाएगी।

बिहार: पटना के डाक बंगला चौराहे पर पुलिस ने एसटीईटी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया

पटना/भाषा। बृहस्पतिवार को यहां डाक बंगला चौराहे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुलिस ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-5) से पहले माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी) आयोजित करने की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

पुलिस अधीक्षक, पटना (मध्य), दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, प्रदर्शनकारी डाक बंगला चौराहे के पास जमा हो गए और यातायात को बाधित कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अवरोधकों को लांघने की कोशिश भी की। सुरक्षाकर्मियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद, उन्होंने सड़कें खाली करने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कई लोग घायल हो गए, जिसे अधिकारियों ने नकार दिया। राहुल कुमार नाम के एक प्रदर्शनकारी ने कहा, हमने बस यही मांग की थी कि बिहार लोक सेवा आयोग की टीआरई-5 से पहले एसटीईटी आयोजित हो।

चुनाव अधिकारी मुझे दो ईपीआईसी नंबर के लिए नोटिस जारी कर अपनी गलती के लिए दोषी ठहरा रहे हैं: तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को यहां निर्वाचन अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्होंने दो ईपीआईसी (मतदाता फोटो पहचान पत्र) नंबर रखने के लिए नोटिस भेजकर ''खुद की गलती के लिए उन्हें दोषी ठहराया है।''

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि पिछले सप्ताह भेजे गए नोटिस का ''एक अच्छा जवाब'' तैयार किया जा रहा है, जिससे ''उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचेगा।'' राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''मुझे निर्वाचन आयोग से नहीं, बल्कि पटना जिला प्रशासन से नोटिस मिला है। एक अच्छा जवाब तैयार किया जा रहा है और जवाब मिलने पर उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचेगा। वे अपनी गलती के लिए मुझे दोषी ठहरा रहे हैं। अगर मेरे नाम पर दो ईपीआईसी नंबर जारी किए हैं तो यह किसकी गलती है? आखिरकार, मैं एक ही जगह से वोट डालता रहा हूं।'' पिछले सप्ताह उन्होंने मसौदा मतदाता सूची में अपने ईपीआईसी नंबर को ऑनलाइन ढूंढने की कोशिश की थी, जिसका परिणाम ''कोई रिकॉर्ड नहीं मिला'' आया।

ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर ''राज्य पुलिस की मौजूदगी में'' हुए हमले के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बृहस्पतिवार को आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह घटना राज्य में उनकी सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने को दर्शाती है। नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''अराजकता और राजनीतिक हिंसा की इस संस्कृति को बढ़ावा देने'' के लिए ममता बनर्जी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को लेकर निकाली गई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली पर कुछ लोगों ने बुधवार को कथित रूप से पथराव किया और काले झंडे दिखाए। भाजपा ने इस घटना के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। नड्डा ने कहा, ''मैं पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कूचबिहार में तृणमूल के गुंडों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि यह हमला राज्य पुलिस की मौजूदगी में हुआ जो ममता बनर्जी की सरकार में कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने की बात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि यह केवल एक निर्वाचित प्रतिनिधि पर हमला नहीं बल्कि लोकतंत्र पर भी हमला है।

नड्डा ने कहा कि उन्होंने अधिकारी से बात की और स्थिति का जायजा लिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''अगर पश्चिम बंगाल में विपक्ष का नेता सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की दुर्दशा की केवल कल्पना ही की जा सकती है।''

चार अधिकारियों को निलंबित करने के

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर ममता ने सवाल उठाया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग द्वारा दो राज्य सिविल सेवकों सहित चार अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी सरकार अपने कर्मचारियों के साथ है।

मंगलवार को निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में चार अधिकारियों- दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और दो सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) तथा एक डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं एक अस्थायी कर्मचारी- को निलंबित करने का आदेश दिया। इन अधिकारियों पर दक्षिण 24 परगना और पूर्व मेदिनीपुर जिलों के क्रमश: बरुईपुर पूर्व और मोयना विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची तैयार करते समय अनियमितताएं बरतने का आरोप है।

अभिषेक बनर्जी ने अमेरिकी शुल्क को लेकर केंद्र की आलोचना की, इसे 'कूटनीतिक विफलता' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र पर बृहस्पतिवार को तीखा हमला करते हुए इसे ''कूटनीतिक विफलता'' करार दिया तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पर ''अपनी त्रुटिपूर्ण विदेशी नीति के जरिए'' अर्थव्यवस्था को खतरे में डालने का आरोप लगाया।

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र को यह जवाब देना चाहिए कि इतना अधिक शुल्क क्यों लगाया गया।

बनर्जी ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन की बैठक में भाग लेने के लिए नई दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, ''सवाल उन लोगों से पूछे जाने चाहिए जो (अमेरिकी राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप के साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''ट्रंप के लिए प्रचार करने वालों से इस बारे में सवाल किए जाने चाहिए। यह शुल्क भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित करेगा। यह एक कूटनीतिक विफलता है।''

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नवनियुक्त नेता बनर्जी ने कहा कि कभी अपने ''56 इंच के सीने'' का बखान करने वाली भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को अब दूसरे देश ''लाल आंखें'' दिखा रहे हैं।

बनर्जी ने कहा, ''मैं एक प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के तौर पर पांच देशों में गया था लेकिन कुल मिलाकर 11 देशों ने भी पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा नहीं की। कुछ लोगों ने ट्रंप के लिए चुनाव प्रचार किया था और उन्होंने (ट्रंप ने) भी कोविड-19 के प्रकोप से दो महीने पहले भारत आकर उन लोगों के लिए प्रचार किया था।

'पीडीए' पाठशाला संचालित करने पर सपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी के लालपुर पाण्डेयपुर थाने में अनधिकृत रूप से 'पीडीए पाठशाला' संचालित करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) के सहयोगी संगठन समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार की तहरीर पर समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष राहुल सोनकर और महानगर अध्यक्ष आयुष यादव के खिलाफ बुधवार को मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि खंड शिक्षा अधिकारी ने अपनी तहरीर में कहा है कि समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष राहुल सोनकर और महानगर अध्यक्ष आयुष यादव ने गत चार अगस्त को हुकुलगंज मुहल्ले में 'पीडीए पाठशाला' का आयोजन किया था और ऐसा करके दोनों ने बच्चों का राजनीतिक दुरुपयोग किया है।

साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से विभाग की छवि धूमिल की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 50 से कम छात्र-छात्राओं वाले 10 हजार से ज्यादा प्राथमिक और उच्चतर प्राथमिक स्कूलों का पास के ही स्कूलों में विलय करने की कवायद शुरू की है।

गंगा यमुना और शारदा समेत कई प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित जल भरण क्षेत्र में व्यापक वर्षा होने से गंगा, यमुना और शारदा समेत राज्य की अनेक प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। उफनती नदियों की बाढ़ से राज्य के अनेक जिलों के सैकड़ों गांवों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बलिया में बाढ़ के पानी में डूबने से एक लड़के की मौत हो गई। मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, प्रदेश में मानसून सक्रिय है और अगले एक सप्ताह के दौरान पूरे राज्य में बारिश का सिलसिला कमोबेश जारी रह सकता है।

केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को गंगा नदी कछला ब्रिज (बदायूं), गाजीपुर, छतनाग और फाफामऊ (प्रयागराज), बलिया, मिर्जापुर और वाराणसी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसी तरह, घाघरा नदी अयोध्या और एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यमुना नदी नैनी (प्रयागराज) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं, भिनगा (श्रावस्ती) और राप्ती बैराज (श्रावस्ती) में राप्ती नदी का जलस्तर अब भी लाल निशान से ऊपर बना हुआ है।

शारदा नहर पलियाकलां (लखीमपुर खीरी) में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है मगर अब इसका जलस्तर कम हो रहा है।

नदियों की बाढ़ से राज्य के अनेक जिलों में जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है। प्रयागराज से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कई दिनों से जारी भारी बारिश के चलते खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने के बाद गंगा और यमुना का जलस्तर बुधवार से कम शुरू हो गया है मगर सदर तहसील के 107 वार्ड और मुहल्ले अब भी बाढ़ के पानी से घिरे हैं।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनीता सिंह ने बताया कि नदियों का जलस्तर नीचे आने से लोग राहत महसूस कर रहे हैं, मगर सदर तहसील के अंतर्गत आने वाले 107 वार्ड एवं मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं जिनमें राजापुर, बेली कछार, चांदपुर सलोरी, गोविंदपुर, छोटा बघाड़ा और बड़ा बघाड़ा प्रमुख रूप से प्रभावित हैं। बलिया जिले में गंगा और सरयू नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण बाढ़ प्रभावित गांवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बलिया से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक, हल्दी थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला हल्दी गांव में आज बाढ़ के पानी में नहाने के दौरान 11 वर्षीय बालक युवराज गुप्ता की डूबने से मौत हो गई। उसके शव को गोताखोरों व पुलिस की सहायता से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

लवलीना ने बीएफआई अधिकारी पर अपमानजनक व्यवहार का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन द्वारा राष्ट्रीय महासंघ के कार्यकारी निदेशक कर्नल अरुण मलिक के खिलाफ लगाए गए 'अपमानजनक और लैंगिक भेदभावपूर्ण व्यवहार' के आरोपों की जांच की जा रही है और जल्द ही एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया, साइ के महानिदेशक, टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना) विभाग, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) को संबोधित एक औपचारिक शिकायत में लवलीना ने आरोप लगाया कि मलिक ने आठ जुलाई को एक जूम मीटिंग के दौरान उनका अपमान किया और उनकी उपलब्धियों को कमतर आंका। बैठक में साइ और टॉप्स के अधिकारी भी शामिल थे। लवलीना ने इस दौरान अनुरोध किया कि उनके निजी कोच को राष्ट्रीय शिविर में आने की अनुमति दी जाए जो बीएफआई की नीति के विरुद्ध है। निजी कोच भी ऑनलाइन बैठक में मौजूद थे। वह यह भी चाहती थीं कि कोच को उनके साथ यूरोप में ट्रेनिंग के लिए जाने की अनुमति भी दी जाए।

जम्मू-कश्मीर: कुलगाम में आतंकवाद के खिलाफ अभियान सातवें दिन भी रहा जारी, तीन सुरक्षाकर्मी घायल

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकवाद रोधी अभियान में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बल के तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आतंकवाद के खिलाफ अभियान सातवें दिन जारी है जो इस वर्ष का अब तक का सबसे लंबा अभियान है। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद-रोधी तंत्र की समीक्षा की और साथ ही उन्हें जारी अभियान की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा, ''अभियान सातवें दिन भी जारी है।'' उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह हुई गोलीबारी में तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए जिससे घायल सुरक्षाकर्मियों की कुल संख्या अब सात हो गई है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल दुर्गम जंगली इलाकों में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर समेत सभी साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। दक्षिण कश्मीर जिले के अखल में वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि पिछले शुक्रवार को दोनों पक्षों के बीच प्रारंभिक गोलीबारी के बाद रात में अभियान रोक दिया गया था, लेकिन घेराबंदी को मजबूत किया गया तथा क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजा गया।

मैं गंभीर को अच्छे से जानता हूं, उसने जो हासिल किया उससे खुश हूं : गैरी कर्स्टन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के विश्व कप विजेता पूर्व कोच गैरी कर्स्टन ने कहा कि जिस तरह से कोच गौतम गंभीर की टीम ने इंग्लैंड के कठिन दौरे पर टेस्ट शृंखला 2 . 2 से ड्रॉ कराई, उससे वह बहुत खुश हैं । कर्स्टन ने यहां कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा ,'' मैं बहुत खुश हूं कि भारतीय क्रिकेट टीम ने शृंखला ड्रॉ कराई और यह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा है । मैं गौतम गंभीर के लिए भी बहुत खुश हूं । मैं उसे अच्छे से जानता हूं और उसने इस टीम के साथ जो हासिल किया है, मैं उससे खुश हूं ।''

उन्होंने कहा ,'' भारतीय टीम इस समय अच्छा खेल रही है । हम सभी उसकी सफलता से खुश हैं । भारत के पास अच्छे युवा खिलाड़ी हैं और उन्हें जिस तरह से सहयोग दिया जा रहा है, वह अच्छी बात है ।'' भारत ने कर्स्टन के कोच रहते 2011 विश्व कप जीता था और टेस्ट प्रारूप में शीर्ष स्थान पर भी पहुंची थी । विश्व कप विजेता टीम में गंभीर और वीरेंद्र सहवाग सलामी जोड़ीदार थे । गंभीर ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 97 रन बनाये थे ।

भारत के कोच के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कर्स्टन ने कहा कि उनके कार्यकाल की मुख्य बातों में ईशांत शर्मा को नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास कराना भी था जिससे वीवीएस लक्ष्मण को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010 में मोहाली टेस्ट जिताने में मदद मिली । उन्होंने कहा ,'' भारतीय टीम के साथ तीन साल के मेरे कार्यकाल में ईशांत शर्मा से नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास कराया जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में 48 गेंद खेली और वीवीएस लक्ष्मण ने वह मैच जिताया।'' जीत के लिए 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने आठ विकेट 124 रन पर गंवा दिए थे लेकिन लक्ष्मण (73 नाबाद) ने ईशांत (31) और फिर प्रज्ञान ओझा के साथ मिलकर भारत को एक विकेट से जीत दिलाई ।

सुविचार

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे हुए दिल से कोई खड़ा नहीं होता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वच्छ ईंधन की क्रांति

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा राज्यसभा में दी गई यह जानकारी कि 'भारत में कुल सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की संख्या 33.05 करोड़ हो गई है', से पता चलता है कि देश ने स्वच्छ ईंधन के क्षेत्र में बहुत प्रगति की है। एक अप्रैल, 2014 तक यह संख्या सिर्फ 14.51 करोड़ थी! उपभोक्ताओं की संख्या में यह उछाल सराहनीय है, जिसका श्रेय केंद्र सरकार को मिलना चाहिए। यह उपलब्धि इसलिए भी बहुत खास है, क्योंकि 33.05 करोड़ में से 10.33 करोड़ लाभार्थी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के हैं। गांव-ढाणियों तक स्वच्छ ईंधन की पहुंच ने लोगों के जीवन को बदला है। नब्बे के दशक तक गांवों में एक-दो घरों में ही गैस सिलेंडर होते थे। परंपरागत ईंधन, जैसे- लकड़ी, कोयला और उपलों का इस्तेमाल ज्यादा होता था। इनसे पैदा होने वाले धुएं से महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं होती थीं। यह धुआं पर्यावरण के लिए नुकसानदेह होता था। ईंधन की आपूर्ति के लिए जंगल काटे जाते थे। रसोई गैस ने इन सभी समस्याओं का समाधान कर दिया है। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए वितरण और सब्सिडी हस्तांतरण प्रक्रिया को डिजिटल बनाने से क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। लोगों ने वह ज़माना भी देखा है जब गैस सिलेंडर खत्म होते ही नया सिलेंडर लेने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता था। अत्यधिक साधन संपन्न और रसूख वाले परिवारों के लिए कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन आम आदमी को खाली सिलेंडर लेकर घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता था। उस दौरान तेज धूप, पीछे से धक्का लगने और पर्याप्त सिलेंडर न होने से झगड़े तक हो जाते थे। जो बच्चे आज ऑनलाइन सिलेंडर बुकिंग और होम डिलिवरी की सुविधा देखते हुए बड़े हो रहे हैं, उन्हें यह जानकर आश्चर्य होगा कि पहले व्यवस्था में कितनी जटिलताएं थीं!

भारत में डिजिटल पेमेंट ने स्वच्छ ईंधन तक लोगों की पहुंच बहुत आसान कर दी है। क्या दो दशक पहले शहरों या गांवों में कोई कल्पना कर सकता था कि सिलेंडर बुक करने की प्रक्रिया इतनी आसान हो जाएगी? उस समय खुले पैसों को लेकर बहुत समस्या होती थी। कई बार तो ऐसा होता था कि ग्राहक का नंबर आ गया, लेकिन खुले पैसे न होने के कारण उसे दूसरी दुकानों के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब डिजिटल पेमेंट होने के कारण यह समस्या भी दूर हो गई। धीरे-धीरे ग्रामीण क्षेत्रों में लोग रसोई गैस को प्राथमिकता देने लगे थे, लेकिन सिलेंडर लेने के लिए शहर जाने में उनका आधा दिन बीत जाता था। केंद्र सरकार ने इस समस्या की ओर ध्यान दिया और ग्रामीण क्षेत्रों में कई एजेंसियां स्थापित कीं। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि एक अप्रैल, 2016 से 30 जून, 2025 के बीच देशभर में 7,997 नई एलपीजी एजेंसियां खोली गईं, जिनमें से 7,403 एजेंसियां ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं। इसी तरह, जुलाई 2025 तक देशभर में कुल एलपीजी वितरकों की संख्या 25,573 हो गई है, जिनमें से 17,646 ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे हैं। इससे ग्रामीण परिवार सशक्त हो रहे हैं। गांवों में बरसात के मौसम में महिलाओं को सूखा ईंधन लाने में बहुत संघर्ष करना पड़ता था। हर जगह लकड़ियों की उपलब्धता नहीं होती थी। रेगिस्तानी इलाकों में, जहां पेड़ पहले ही कम हैं, वहां ईंधन के लिए उनकी कटाई पर्यावरण पर बड़ी चोट करती थी। अब राजस्थान में कई-कई बीघा खेत ऐसे देखने को मिल जाएंगे, जहां पहले हर साल पेड़ काटकर लकड़ियां इकट्ठी की जाती थीं, लेकिन अब लकड़ियों की मांग ही नहीं है। यह घरेलू एलपीजी की आसान उपलब्धता के कारण संभव हुआ है। अब केंद्र सरकार को एक कदम और आगे बढ़ाते हुए, हर रसोईघर तक सोलर चूल्हा पहुंचाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भरतपुर से कांवड़ लेने गए श्रद्धालुओं की मथुरा-बरेली हाईवे पर सड़क दुर्घटना में दिवंगत होने का समाचार हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने परम धाम में स्थान प्रदान करें तथा इस दुःखद घड़ी में शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

-दीया कुमारी

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक वाहन के गहरे गड्ढे में गिरने की घटना अत्यंत दुःखद है। इस दुर्घटना में तीन जवानों के बलिदान और कई जवानों के घायल होने का समाचार पीड़ादायक है।

-वसुंधरा राजे

आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत राष्ट्रीय संत श्री पुलक सागर जी महाराज के प्रवचन महोत्सव में उपस्थित होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस चातुर्मासिक ज्ञानोत्सव में प्रतिदिन राष्ट्र, चरित्र और आचारसंहिता पर आधारित प्रेरणादायी प्रवचन जनमानस को जाग्रत कर रहे हैं।

-मदन दिलावर

प्रेरक प्रसंग

जीत के ऊपर जीत

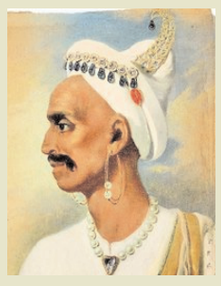

पेशवा के राजा नाना फडणवीस का चारित्रिक शील बहुत ऊंचे दर्जे का था। जब खरड़ा की लड़ाई में नाना फडणवीस से हारकर निजाम गढ़ी में छिप गया था और उसकी बेगमें महल से बाहर रह गई थीं। मराठों ने सारी बेगमों को बंदी बनाकर उन्हें नाना फडणवीस के सामने पेश किया। नाना फौरन अपने सिपाहियों को डांटते हुए बोले, 'हमारी लड़ाई निजाम के साथ है, न कि उनकी बीवियों से। इन देवियों को अभी निजाम के पास उसके महल में वापस पहुंचा दो!' नाना फडणवीस के इस चरित्र बल के सामने शर्मिंदा सिपाही तुरंत उन बंदी बनाई गईं बेगमों को वापस महल में छोड़ आये। बेगमों ने नाना फडणवीस के इस चारित्रिक शील की प्रशंसा करते कहा कि नाना की यह जीत के ऊपर एक और जीत है।

सामयिक

धराली आपदा : विकास के नाम पर प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा

हर्षवर्धन पान्डे

धराली उत्तरकाशी ज़िले का एक बेहद खूबसूरत क़स्बा है जो गंगोत्री की ओर बढ़ते हुए चारधामों में से एक हर्षिल घाटी का अहम हिस्सा भी है।यहाँ से गंगोत्री तकरीबन 20 किलोमीटर दूर है। हिमालयी क्षेत्रों में बसे छोटे-छोटे धराली जैसे गाँव कभी अपनी नैसर्गिक प्राकृतिक सुंदरता और शांति के लिए जाने जाते थे लेकिन हाल के वर्षों में सरकारों की अनियंत्रित विकास की अंधी दौड़ ने इन सरीखे कई क्षेत्रों को आपदा के मुहाने पर लाकर खड़ा कर दिया है। देवभूमि उत्तराखंड के कई गाँवों में आज प्रकृति के साथ गंभीर छेड़छाड़ के परिणामस्वरूप यहाँ पर आपदाएँ बार-बार दस्तक दे रही हैं। प्राकृतिक आपदा का सीधा सम्बन्ध प्रकृति की छेड़छाड़ से जुड़ा है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ जिस पैमाने पर होता रहेगा उसका ताण्डव हिमालय पर उसी स्तर पर दिखेगा। धराली में खीर गंगा में यह पहली बार नहीं हुआ कि उसका जलस्तर बढ़ने के कारण आसपास के क्षेत्र को नुकसान हुआ है। इससे पूर्व की आपदाओं में वहां पर जानमाल का नुकसान नहीं हुआ लेकिन उसके बाद भी वहां पर ना ही स्थानीय लोग चेते और ना ही शासन प्रशासन की ओर से वहां पर सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम किए गए। वर्ष 1948 में धराली से कुछ किलोमीटर नीचे कनोडिया गाड़ ने भी अपना विकराल रूप दिखाया था। उस समय डबराणी में गंगा का प्रभाव तक रुक गया था जिससे फिर भारी तबाही हुई। इसी तरह 1978 में धराली से नीचे उत्तरकाशी की तरफ़ आते हुए 35 किलोमीटर दूर डबराणी में एक बाँध टूट गया था जिससे भागीरथी में बाढ़ आ गई थी और कई गाँव बह गए। 1835 में भी खीर गंगा में सबसे भीषण बाढ़ आई थी। तब नदी ने सारे धराली क़स्बे को पाट दिया था। बाढ़ से यहाँ भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया था। बीते कई बरस में भी खीर गंगा में पानी का तेज़ बहाव आने, बादल फटने, भूस्खलन की घटनाएँ हुई की अनेक घटनाएँ हुई हैं लेकिन इसमें कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। 2017-18 में खीर गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण वहां पर होटल दुकानों और कई घरों में मलबा घुस गया था। उस समय कुछ नुकसान नहीं हुआ हालाँकि 2023 में खीर गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण वहां पर कई दिनों तक गंगोत्री हाईवे भी बंद रहा था साथ ही दुकानों और होटल को भी नुकसान हुआ था।

एक दौर था जब हिमालय के ऊँचाई वाले इन इलाक़ों में काफी बर्फ़ गिरती थी। तब यहाँ के ग्लेशियर में पानी का जमाव होता था लेकिन अब बर्फ़ कम गिरती है और बारिश भी कम होती है और ग्लेशियर लगातार सिकुड़ते जा रहे हैं। इसकी वजह है जलवायु परिवर्तन और इसका असर पूरे पहाड़ी इलाके के हर जिले में महसूस किया जा सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के साइड इफेक्ट अब हिमालय से लगे इलाकों में भी महसूस किये जा सकते हैं। ग्लेशियर लगातार पिघल रहे हैं। अनियोजित विकास के कारण आज पर्वतीय इलाकों में संकट के बादल मंडरा रहे है। इन संवेदनशील इलाकों में प्राकृतिक घटनाओं की आशंका पहले भी जताई जा चुकी है पर इसे लेकर चौकन्ना न रहने की गलती जब तक होती रहेगी हादसे होते रहेंगे। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए बेहतर प्रबंधन को बढ़ाने के साथ-साथ प्रकृति के इशारों को समझना भी बहुत जरूरी है। वह चेतावनियां सच साबित हो रही हैं जो कई दशकों से पर्यावरण वैज्ञानिक देते आ रहे थे कि धरती का लगातार बढ़ रहा तापमान शांत पड़े ग्लेशियरों को परेशान कर रहा है। ग्लेशियरों का पिघलना या टूटना मानवता व पूरे वातावरण के लिए खतरनाक है। दुर्भाग्य है कि प्राकृतिक संसाधनों की बड़ी लूट के कारण आज उत्तराखंड कंक्रीट के जंगल में तब्दील होता जा रहा है। अगर अभी भी इस हादसे से हमने सबक नहीं लिया तो किसी दिन तबाही बड़े पैमाने पर होगी।

धराली में हाल ही में आई आपदा ने स्थानीय समुदाय और पर्यावरण को गहरा नुकसान पहुँचाया है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे इस क्षेत्र में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप ने प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है। भारी मशीनरी के उपयोग, जंगलों की कटाई और अनियोजित सड़क निर्माण ने भूस्खलन और मिट्टी के कटाव को बढ़ावा दिया है जिसके परिणामस्वरूप यह आपदा सामने आई। धराली और आसपास के क्षेत्रों में सड़क निर्माण, बाँध परियोजनाएँ और होम स्टे पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होटल निर्माण जैसे कार्य बिना पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन के किए गए जिसका परिणाम अब जमीन पर दिखाई देने लगे हैं । पहाड़ों की संवेदनशील भूगर्भीय संरचना को नजरअंदाज करते हुए यहाँ पर भारी मशीनरी का उपयोग किया गया जिससे भूस्खलन का खतरा हाल के कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। विकास की बड़ी परियोजनाओं के नाम पर पूरे उत्तराखंड में बड़े पैमाने पर जंगलों को काटा जा रहा है जिससे मिट्टी की स्थिरता कम हुई है और आपदा की घटनाएँ भी तेजी से बढ़ी हैं। धराली जैसे क्षेत्र आज जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक असुरक्षित हो गए हैं। धराली की इस बार की आपदा में और आसपास के क्षेत्रों में कई लोगों ने अपनी जान गँवाई है और कई परिवार बेघर हो गए हैं । स्थानीय लोगों की आजीविका जो मुख्य रूप से कृषि और पर्यटन पर निर्भर थी इस बार की आपदा ने बुरी तरह प्रभावित कर डाली है। धराली का बाजार जो पर्यटन की अर्थव्यवस्था का प्रमुख हिस्सा था, बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पहाड़ी इलाकों में नदियों और नालों के किनारे फ्लड प्लेन जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में किसी भी तरह के अतिक्रमण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि ऐसे क्षेत्र भूस्खलन जैसी घटनाओं के लिए अत्यंत असुरक्षित होते हैं। धराली आपदा हमें यह सिखाती है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना कितना आवश्यक है।

राज्य गठन के बाद की सरकारों ने अपने करीबियों को न केवल नदियों में खनन के पट्टे दिये हैं बल्कि ठेकेदारों को भी पहाड़ों में निर्माण कार्य में मुख्य मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया है। पर्यटन के सैर सपाटे के बीच पहाड़ में ट्रैवल ऐजेन्टों की सुविधा के लिए जगह- जगह पहाड़ काटकर मानकों को ताक में रखते हुए सड़कें काटी हैं। एक तरह पहाड़ में आज जहां बेतरतीब ढंग से गाड़ियां दौड़ रही वहीं ऐसे इलाकों में जहां जल प्रचुर मात्रा में है वहां बांध बनाने और सुरंग निकालने का खेल शुरू हुआ है। अलग राज्य का गठन पहाड़ के पिछड़ेपन के कारण हुआ था लेकिन आज हालत यह है चट्टाने दरकने से गांव के गांव खाली हो रहे है। अब गाँव में बुजुर्गों की पीड़ी ही दिख रही है। हाइड्रो परियोजनाओं के नाम पर पहाड़ की जमीनों को खुर्द -बुर्द किया जा रहा है। टिहरी इसका नायाब नमूना है जहां विकास की चमचमाहट दिखाई गई लेकिन टिहरी के डूबने की कथा स्थिति की भयावहता को उजागर करती है। प्राकृतिक सम्पदा की लूट में उत्तराखण्ड की कोई सरकार अछूती नहीं है। विकास के नाम पर सरकार की नीयत साफ नहीं है। हर किसी का उद्देश्य इस दौर में मुनाफा कमाना और अपनी झोली भरना हो चला है और कारपरेट के आसरे राज्य में निवेश सम्मेलनों के माध्यम सेफलक-फावड़े बिछाए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के भीतर 200 से अधिक हाइड्रो प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं और सैकड़ों योजनाएं प्रस्तावित है जिनमें से गढ़वाल के मुख्य इलाकों में निर्माणधीन है जो भागीरथी अलकनंदा और मंदाकनी में बनाई जानी हैं जहां पहाड़ों को चीरकर काटकर विस्फोट कर सुरंग बनाई जाएंगी जो भविष्य के लिए कतई सुखद संकेत नहीं है।

पर्यटन इस राज्य की सबसे बड़ी रीढ़ है जो राजस्व प्राप्ति का अहम साधन है। हमें पर्यटकों को बुनियादी सुविधाऐं देनी चाहिए। पर्यटकों को भी इस बात पर विचार करना होगा इस तरह के खूबसूरत स्थलों पर हर दिन भारी भीड़ नहीं पहुंचे। बड़ी आबादी का बोझ पहाड़ सहने की स्थिति में नहीं हैं। चार धाम की यात्रा में भारी भीड़ और अव्यवस्थाएं हर साल देखने को मिलती है। उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों की संख्या भी पिछले 25 सालों में तेजी से बढ़ी है। राज्य पर्यटन विभाग के मुताबिक पिछले साल 2001 में 1 करोड़ पर्यटक राज्य में पहुंचे वहीं अब यह संख्या 5 करोड़ से अधिक पहुँच चुकी है। जाहिर है कि ऐसे में किसी नई कार्ययोजना की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले कुछ समय से विकास के नाम पर यहाँ नवनिर्माण का जो खेला और वाहनों का रेला लगा है वह समझ से परे है।

मिसाल एक तौर पर बदरीनाथ में मास्टर प्लान के नाम पर अलकनंदा के दोनों तरफ घाट तोड़ दिए गए हैं और आने वाले दिनों में अलकनंदा के जलस्तर को किसी दिन बढ़ाएंगे और बड़ी आपदा की तरफ हम बढ़ेंगे।जलवायु परिवर्तन, अनियोजित विकास, पारिस्थितिक असंतुलन और प्रशासनिक अक्षमता ने इस देवभूमि राज्य को संकटग्रस्त क्षेत्र में बदल दिया है जिसकी कीमत विनाश के नाम पर एक दिन यहाँ के लोगों को ही चुकानी पड़ेगी।

हमें पहाड़ी यात्रा मार्ग पर आपदा रोकने के लिए और उसके मुकाबले के लिए एक बेहतर तंत्र अब विकसित करना होगा। बेशक विकास जरूरी है लेकिन पर्यावरण के साथ विकास में भी एक संतुलन बनाकर लकीर खींचने की जरूरत है। बेहतर होगा पहाड़ी इलाकों में प्रकृति के अन्धाधन्ध दोहन पर रोक लगने के साथ ही यहां के अवैध कब्जों और निर्माण पर भी ब्रेक लगे। बड़े सुरंग आधारित बांधों के बजाय छोटे बांधों पर जोर दिया जा सकता है। बिल्डरों और राजनेताओं का नेक्सस टूटना चाहिए। जो भी हो उत्तराखण्ड की धराली की आपदा ने इस बार यह बड़ा सबक दिया है कि नियोजित विकास के साथ पारिस्थितिकीय संतुलन बनाने की जरूरत है। अगर अब भी हम नहीं चेते तो भविष्य में धराली जैसे अनेक हादसे उत्तराखंड में होते रहेंगे।

नजरिया

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारूरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत 2050 तक 25,000 अरब डॉलर की महाशक्ति बन जाएगा : अदाणी

लखनऊ/भाषा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने युवाओं से पारंपरिक सोच से आगे बढ़ने को कहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य कभी भी उनका नहीं होगा जो सुरक्षित खेलते हैं, बल्कि उनका होगा जो संभावनाओं को अधिकतम करते हैं।

अरबपति उद्योगपति ने भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) लखनऊ में बृहस्पतिवार को छात्रों को संबोधित करते इस बात पर भी ज़ोर दिया कि 2050 तक भारत 25,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था की 'महाशक्ति' बन जाएगा, जिसकी ओर 'वैश्विक गुरुत्वाकर्षण केंद्र' होगा।

कृत्रिम मेधा, एल्गोरिथम आधारित निर्णय लेने और वैश्विक अनिश्चितता के युग में शिक्षा की भूमिका पर बोलते हुए अदाणी ने कहा, डीसी मॉडल, पोर्टर के पांच बल और एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण जैसे ढांचों का अध्ययन करने का व्यवसाय की दुनिया में अपना स्थान है, लेकिन ये धारणाओं और पूर्वज्ञान पर आधारित होते हैं। ये आपको जोखिम को कम करना

सिखाते हैं, लेकिन भविष्य को अधिकतम नहीं बनाना सिखाते, क्योंकि भविष्य कभी भी उनका नहीं होगा जो सुरक्षित खेलते हैं। यह उनका है जो संभावनाओं को अधिकतम करते हैं।'' उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि भविष्य को आकार देने के लिए कल्पनाशीलता, जोखिम उठाने और दृढ़ विश्वास की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, ''संभावनाओं को अधिकतम करने का मतलब है बाज़ार के तैयार होने का संकेत देने से पहले ही क्षेत्र निर्माण में कदम रखना।''

अदाणी समूह की मुंद्रा, धारावी और ऑस्ट्रेलिया जैसी कुछ चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं का ज़िक्र करते हुए, उन्होंने आगे कहा, ''ये सिर्फ़ व्यावसायिक कार्य नहीं हैं, बल्कि कल्पनाशीलता के कार्य हैं, दुनिया को जैसी है वैसी स्वीकार न करने और उसे जैसी हो सकती है वैसी देखने का साहस।'' उन्होंने छात्रों से पाठ्य पुस्तकों से आगे सोचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा ''व्यावसायिक ढांचा आपको पहले से नापा हुआ, पहले से चिह्नित और सुरक्षित कैनवास प्रदान करते हैं। लेकिन भारत को खाली जगहों को भरने वाले और चित्रकारों की ज़रूरत नहीं है। उसे ऐसे लोगों की ज़रूरत है जो कैनवास पर ही सवाल उठा सकें, जो ऐसे रंगों से चित्रकारी कर सकें जिनकी अभी तक कल्पना भी नहीं की गई है। और यही, अभी, आपका क्षण है क्योंकि भारत वह कैनवास है जो असाधारण युग में खड़ा है।''

अदाणी ने कहा कि देश का परिवर्तन 'चार अजेय शक्तियों – जनसांख्यिकी, मांग, डिजिटल बुनियादी ढांचा और घरेलू पूंजी द्वारा संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा, ''पहली है जनसांख्यिकी – हम इस धरती पर सबसे युवा, सबसे महत्वाकांक्षी कामकाजी आबादी हैं।

भारतीय दवा विनिर्माताओं पर शुल्क लगाने से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ पड़ेगा: फार्मेक्सिल

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय दवा निर्यात को बढ़े हुए शुल्क से अस्थायी राहत देने का अमेरिका का फैसला अमेरिकी आबादी के लिए सस्ती दवाइयां सुनिश्चित करने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। औषधि निर्यात संवर्धन परिषद ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। अमेरिका ने छह अगस्त को सभी भारतीय आयात पर मौजूदा 25 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। ऐसे में 27 अगस्त से कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो जाएगा।

भारत, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली 40 प्रतिशत से ज्यादा जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। इसमें पुरानी बीमारियों, कैंसर और संक्रामक रोगों के उपचार की दवाइयां शामिल हैं।

फार्मेक्सिल के चेयरमैन नमित जोशी ने एक बयान में कहा, ''भारतीय दवा कंपनियों पर शुल्क के प्रतिकूल नतीजे होंगे और अंत में अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ डालेंगे। भारतीय कंपनियां कम लागत वाली जेनेरिक दवाइयां बनाती हैं, उच्च मार्जिन वाले उत्पाद नहीं। इसलिए किसी भी शुल्क का भार सीधे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।'' उन्होंने कहा कि उन्हें भारत की दवा क्षमता हासिल करने में कम से कम तीन से पांच साल लगेंगे, और इस स्तर की क्षमता, लागत दक्षता और प्रतिभा हासिल करने में कई चुनौतियां होंगी। जोशी ने कहा कि 700 से ज्यादा अमेरिकी एफडीए की मंजूरी प्राप्त संयंत्रों के साथ भारत अपने 55 प्रतिशत दवा उत्पादों का निर्यात अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे कड़े विनियमित बाजारों को करता है।

शांति

केरल के राजस्व मंत्री के. राजन अखिल भारतीय शांति एवं एकजुटता संगठन (एआईपीएसओ) और होली एंजेल्स कॉन्वेंट एचएसएस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हिरोशिमा-नागासाकी दिवस समारोह के दौरान स्कूल सभागार में छात्रों से शांति प्रतीक प्राप्त करते हुए।

मुकेश अंबानी को पांचवें साल कोई वेतन नहीं, उनके प्रवर्तक समूह को 3,600 करोड़ रु. का लाभांश मिला

नई दिल्ली/भाषा। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने अपने समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज से लगातार पांचवें साल कोई वेतन नहीं लिया और लाभांश उनकी आय का मुख्य स्रोत बना हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का कारोबार तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र तक फैला हुआ है। अंबानी (68) ने वित्त वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक अपने वार्षिक पारिश्रमिक को 15 करोड़ रुपए तक सीमित रखा था। उन्होंने कोविड-19 महामारी के बाद वित्त वर्ष 2020-21 से तब तक अपना वेतन छोड़ने का फैसला चुना, जब तक कि कंपनी और उसके सभी कारोबार पूरी तरह से अपनी आय क्षमता पर वापस नहीं आ जाते। कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 में उन्हें वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में कोई राशि नहीं मिली। दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर है, के लिए लाभांश आय ही आमदनी का स्रोत है। रिलायंस में उनके सीधे 1.61 करोड़ शेयर हैं। कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए घोषित 5.50 रुपए प्रति शेयर लाभांश के आधार पर उन्हें 8.85 करोड़ रुपए की लाभांश आय मिलती है। जिन प्रवर्तक समूह की कंपनियों पर अंबानी का नियंत्रण है, उनमें उनके पास 664.5 करोड़ शेयर या 50.07 प्रतिशत शेयर हैं, जो 3,655 करोड़ रुपए की लाभांश आय देते हैं। अंबानी के चचेरे भाई निखिल और हितल मेसवानी का पारिश्रमिक 2023-24 में क्रमशः 25.31 करोड़ रुपए और 25.42 करोड़ रुपए था, जो 2024-25 में थोड़ा कम होकर 25 करोड़ रुपए रह गया। कार्यकारी निदेशक पी एम एस प्रसाद का पारिश्रमिक 2024-25 में बढ़कर 19.96 करोड़ रुपए हो गया, जो इससे पिछले वर्ष 17.93 करोड़ रुपए था। अंबानी के तीन बच्चे – ईशा, आकाश और अनंत, जिन्हें अक्टूबर, 2023 में शून्य वेतन पर बोर्ड में नियुक्त किया गया था, उनमें से प्रत्येक को 'सिटिंग फीस' के रूप में छह लाख रुपए और कमीशन के रूप में 2.27 लाख रुपए मिले। अंबानी के बच्चों में सबसे छोटे अनंत को रिलायंस बोर्ड में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है और चालू वित्त वर्ष से उन्हें 10 करोड़ रुपए से 20 करोड़ रुपए के बीच वेतन मिलेगा।

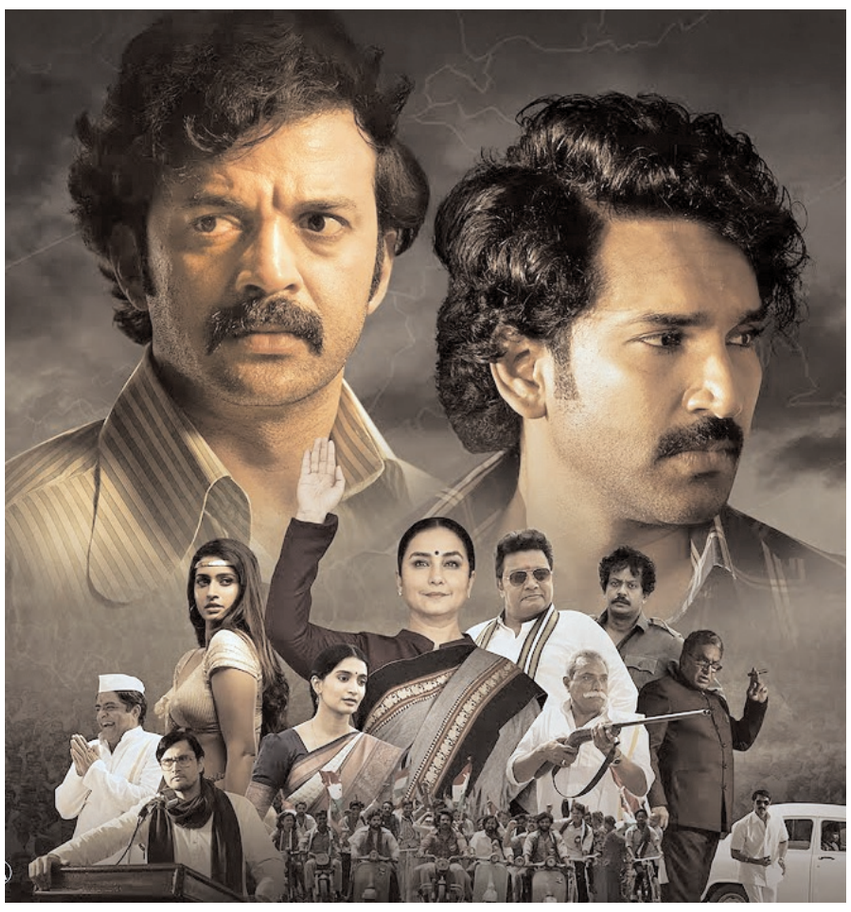

'मायासभा' में कैसा होगा दिव्या दत्ता का किरदार, एक्ट्रेस ने किया खुलासा

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने तेलुगु सीरीज 'मायासभा: द राइज ऑफ द टाइटन्स' में अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। इसमें वह राजनीतिक नेता इरावती बोस का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका किरदार चालाकी से दूसरों को अपनी बातों में फंसाने वाला और उनका फायदा उठाने वाला है। उन्होंने बताया कि उनका किरदार इरावती ताकतवर है; साथ ही, वह अपनी कमजोरियों को भी छुपाती हैं ताकि लक्ष्य को हासिल करने में उनके रास्ते में कोई बाधा न बन सके। दिव्या दत्ता ने कहा कि इरावती के चालाक और हिसाब से काम करने वाले गुण उनके लिए सिर्फ एक कमजोरी या ताकत नहीं हैं, बल्कि ये सब मिलाकर उनके जीवन की स्थिति को समझने का एक तरीका है। उन्होंने बताया कि एक अभिनेता के रूप में, उनका काम यह है कि वे अपने किरदार को निभाते वक्त इन गुणों को अलग-अलग तरीके से दिखाएं, जैसे कभी कुछ शब्दों को थोड़ा ऊपर, कभी नीचे, या कभी थोड़ा बदलकर, ताकि वह किरदार सच्चे और प्रभावी तरीके से दर्शकों तक पहुंच सके। एक्ट्रेस ने 1994 में फिल्म 'इश्क में जीना, इश्क में मरना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह अपने किरदारों में अलग-अलग पहलुओं को एक्सप्लोर करना पसंद करती हैं। उन्होंने कहा, जब हम किसी किरदार पर काम करते हैं, तो हम उसमें थोड़ी सी चालाकी, थोड़ी सी मस्ती, थोड़ी सी बुद्धिमानी, या कभी-कभी एक इमोशनल उतार-चढ़ाव जोड़ते हैं। यह सब मिलाकर किरदार को और भी वास्तविक और दिलचस्प बनाता है। 'मायासभा: द राइज ऑफ द टाइटन्स' एक राजनीतिक ड्रामा वेब सीरीज़ है, जिसे देवा कट्टा और किरण जय कुमार ने डायरेक्ट किया है। इसमें चैतन्य राव, आधी, रवींद्र विजय, नासर, साई कुमार और चरिता वर्मा नजर आएंगे। इसके अलावा रघु बाबू, भावना वज्झापंडल और तान्या एस रविचंद्रन जैसे कलाकार भी सीरीज का हिस्सा हैं।

यह सीरीज़ 1990 के दशक के आंध्र प्रदेश की राजनीति पर आधारित है। इसमें दो प्रमुख राजनेताओं, नारा चंद्रबाबू नायडू और वाई. एस. राजशेखर रेड्डी के बीच बदलते रिश्ते को दिखाया गया है। पहले ये दोनों दोस्त थे, लेकिन धीरे-धीरे उनका रिश्ता राजनीति के कारण दुश्मनी में बदल जाता है। यह सीरीज इस यात्रा को नाटकीय तरीके से पेश करती है। 'मायासभा: द राइज ऑफ द टाइटन्स' 7 अगस्त से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

चर्चा

पश्चिम बंगाल के मंत्री अरूप बिस्वास गुरुवार को कोलकाता के नंदन में बंगाली फिल्म उद्योग के अभिनेताओं, निर्देशकों, निर्माताओं और वितरकों के साथ बंगाली सिनेमा के भविष्य पर चर्चा करते हुए।

हनी सिंह और करण औजला पर महिला आयोग सख्त, भेजा नोटिस

चंडीगढ़/एजेन्सी

पंजाब राज्य महिला आयोग ने सिंगर यो यो हनी सिंह और करण औजला के गीतों को आपत्तिजनक बताते हुए नोटिस जारी किया है। आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा है कि 'मिलियनेयर' और 'एमएफ गभरू' जैसे गीत महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं। आयोग ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखकर दोनों गायकों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग की है। इसके साथ ही, यो यो हनी सिंह और करण औजला को आयोग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। दोनों को सोमवार, 11 अगस्त को आयोग के सामने उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। आयोग का मानना है कि इन गानों के बोल महिलाओं की गरिमा को

ठेस पहुंचाते हैं और सामाजिक मूल्यों के खिलाफ हैं। महिला आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस तरह के कंटेंट को बढ़ावा नहीं दे सकता। आयोग इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा।

महिला आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल ने पत्र में लिखा कि हनी सिंह और करण औजला दोनों गायकों ने अपने-अपने गानों में महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया, जो महिलाओं के लिए अपमानजनक है। महिलाओं के खिलाफ इस तरह की भाषा बर्दाश्त नहीं की जाएगी; दोनों पर कार्रवाई जरूर होगी। यह पहली बार नहीं है जब हनी सिंह के गानों पर विवाद हुआ है। इससे पहले भी उनके कई गाने अपनी बोल्ड और विवादास्पद कंटेंट के लिए चर्चा में रहे हैं। हनी सिंह का इसी साल मार्च में गाना 'मैनिएक' रिलीज हुआ था, जिसे उन्होंने टी-सीरीज और भूषण कुमार के साथ मिलकर तैयार किया।

अभिनेत्री ईशा गुप्ता पर फिल्माए गाने के बोल को लियो ग्रेवाल ने लिखा और हनी सिंह ने कंपोज किया। 'मैनिएक' में एक भोजपुरी पैरा भी है, जिसे गायिका रागिनी विश्वकर्मा ने गाया है। गाने पर अश्लीलता के आरोप लगे और दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका भी दाखिल की गई। हालांकि, कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। करण औजला भी पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री में तेजी से उभरते सितारे हैं, और उनके गाने भी अक्सर अपनी बोल्ड शैली की वजह से सुर्खियों में रहते हैं।

भाषा विवाद पर बोले कुमार सानू - 'काम की आजादी पर बाधा न बने यह'

मुंबई/एजेन्सी

प्लेबैक सिंगर कुमार सानू ने देश में चल रहे भाषा विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि काम के अवसरों के लिए प्रतिभा और अनुकूलन क्षमता भाषा से ज्यादा महत्वपूर्ण है। सानु ने कहा कि देश में हर व्यक्ति को कहीं भी काम करने की आजादी होनी चाहिए, भले ही उनकी भाषा अलग हो।

गायक ने भाषा विवाद पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भाषाई मतभेदों के बावजूद, सभी को देश भर में काम करने की आजादी होनी चाहिए। किसी की सीखने की क्षमता और रुचि अलग-अलग है। मेरा मानना है कि इसकी वजह से काम में बाधा नहीं आनी चाहिए। कुमार सानू ने कहा, मैं भाषा के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। लेकिन, हर किसी को देश में कहीं भी काम करने का अधिकार है। भाषा सीखना व्यक्ति की क्षमता और रुचि पर निर्भर करता है। काम के अवसरों में बाधा नहीं बननी चाहिए। हाल ही में भाषा और क्षेत्रीय पहचान को लेकर देशभर में विवाद देखने को मिला। सिंगर सोनू निगम बेंगलुरु में अपने कॉन्सर्ट के बाद विवादों में घिर गए। सामने आए वीडियो में वह एक प्रशंसक के कन्नड़ गाना गाने के अनुरोध को अस्वीकार करते दिखे, जिसे उन्होंने 'गलत' बताया।

दरअसल, सोनू ने इस घटना की तुलना जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले से की थी, जिसके बाद उनकी आलोचना हुई। कन्नड़ भाषी समुदाय में नाराजगी फैल गई और एक कन्नड़ समर्थक संगठन ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसमें उन पर भाषाई मतभेद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया। इसके अलावा, पिछले साल दिसंबर में बंगाली गायिका ईमान चक्रवर्ती भी विवाद में आई थीं। उनके राजारहाट, पश्चिम बंगाल में हुए कॉन्सर्ट का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने एक दर्शक को बंगाली गाने पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने पर कड़ा जवाब दिया था।

हुमा कुरैशी ने भूटान में पूरा किया 'टाइगर नेस्ट ट्रेक'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने हाल ही में भूटान के सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों में से एक, मशहूर टाइगर नेस्ट ट्रेक को पूरा किया। अभिनेत्री ने इस खूबसूरत और रोमांचक अनुभव को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। हुमा कुरैशी ने बताया कि भूटान के टाइगर नेस्ट तक का ट्रेक मुश्किल जरूर था, लेकिन बहुत शांत, और जिंदगी को बदल देने वाला अनुभव रहा। अभिनेत्री ने इस यात्रा की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, टाइगर नेस्ट ट्रेक अब मेरी यादों का हिस्सा बन गया है; यह ट्रेक बहुत मुश्किल था लेकिन उतना ही शांत और सुकून भरा भी। उन्होंने आगे लिखा, पारो टकसांग, जिसे टाइगर्स नेस्ट भी कहा जाता है, भूटान में एक बहुत ही सुंदर और ऊंचे पहाड़ पर बना मठ (मंदिर) है। यहां तक पहुंचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत सुंदर और सुकून देने वाला अनुभव होता है। यह ट्रेक 6.4 किलोमीटर लंबा है (आने-जाने मिलाकर)। इसे पूरा करने में करीब 6 घंटे लगते हैं।

हुमा ने इससे पहले अपनी भूटान यात्रा की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीं, जिसमें वह पहाड़ों के खूबसूरत नजारों में पोज देती नजर आ रही थी।

क्लीप में अभिनेत्री ने शांत झरनों और भव्य पहाड़ी नजारों को भी दिखाया था। इसके अलावा, उन्होंने भूटान के एक म्यूजियम (संग्रहालय) की झलकियां भी इंस्टाग्राम पर शेयर कीं थीं। दूसरी ओर, हुमा कुरैशी की थ्रिलर फिल्म 'बयान' को आधिकारिक तौर पर प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) 2025 के लिए चुना गया है। विकास रंजन मिश्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'बयान' इस श्रेणी में शामिल एकमात्र भारतीय फिल्म है।

फिल्म में अनुभवी अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह और सचिन खेडेकर के साथ-साथ परितोष सैंड, अविजित दत्त, विभोर मयंक, संपा मंडल, स्वाति दास, अदिति कंचन सिंह और पैरी छाबड़ा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं।

इसकी घोषणा के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने बताया था कि यह फिल्म उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है, क्योंकि इसमें उन्हें ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला है जिसे वह लंबे समय से करना चाहती थीं। 'बयान' फिल्म का प्रीमियर पहली बार दुनिया के सामने टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के 'डिस्कवरी सेक्शन' में होगाये ऐसा सेक्शन है जिसमें जो क्रिस्टोफर नोलन, अल्फोंसो क्वारोन और बैरी जेनकिंस जैसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर्स की फिल्में दिखाई जा चुकी हैं।

8

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शुक्रवार | 08-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चितामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में कोई भी चीज सदा साथ रहने वाली नहीं है। जीवन में हम सगे संबंधी, धन, यश व कीर्ति को अपना मानते हैं।

आध्यात्मिक शुद्धि और कर्म मुक्ति का महत्वपूर्ण साधन है तप : संत मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत मलयप्रभ सागर जी ने तप की महिमा के बारे में बताते हुए कहा कि जैन धर्म में तप का बहुत महत्व है। यह आध्यात्मिक शुद्धि और कर्मों के बंधन से मुक्ति का एक महत्वपूर्ण साधन है। जैन धर्म में तप दो प्रकार के होते हैं। पहला, बाह्य तप इसमें अनशन (उपवास), उनोदरी (कम भोजन करना), वृत्ति-संक्षेप (इच्छाओं को सीमित करना), कायोत्सर्ग (शरीर को कष्ट देना), संलिनता (पाप कर्मों से बचना) आदि शामिलहै। दूसरा, अभ्यंतर तप, इसमें प्रायश्चित, विनय, वैयावच्च, स्वाध्याय, ध्यान, कायोत्सर्ग आदि शामिल हैं, जो आत्मा की शुद्धि के लिए किए जाते हैं। साध्वी हर्षपूर्णाश्री जी ने कहा कि तप, जिसका अर्थ है कठोर आत्म-अनुशासन और भोग-विलास से परहेज। जैन धर्म में मोक्ष प्राप्ति का एक अनिवार्य अंग माना जाता है। तप के माध्यम से, जैन साधक अपने पिछले पापों से उत्पन्न अशुद्धियों को दूर करने और नए कर्मों के बंधन को रोकने का प्रयास करते हैं। साध्वी मनोरमाश्रीजी ने कहा कि तप, कर्मों के बंधन को तोड़ने और आत्मा को शुद्ध करने का एक प्रभावी तरीका है। जैन धर्म में, तप को मोक्ष (मुक्ति) प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है। तप, आत्म-नियंत्रण और इंद्रिय-निग्रह का अभ्यास करने में मदद करता है, जो आध्यात्मिक विकास के लिए आवश्यक है। तप, अहिंसा के सिद्धांत का पालन करने में सहायक होता है, क्योंकि यह सभी प्राणियों के प्रति दया और करुणा सिखाता है। तप, ध्यान और एकाग्रता में मदद करता है, जो आत्मा को शांत करने और आत्म-साक्षात्कार में मदद करता है। ङ्कदादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी द्वारा मासक्षमण तप की तपस्वी नन्दा बाफना का सम्मान किया गया। राजेन्द्र गुलेच्छा, नितेश बोहरा एवं मीना ओस्तवाल ने तपस्वी का स्वागत गीत द्वारा किया। संचालन अरविन्द कोठारी ने किया।

नर से नारायण बनने के लिए मिला है मानव भव : साध्वी मलयाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि हमें मनुष्य का जीवन मिला है जगदीश बनने के लिए, मनुष्य का भव मिला है, भगवान बनने के लिए, शरीर प्राप्त हुआ है, सर्वज्ञ व सर्वदर्शी बनने के लिए, इसलिए हमें ऐसे कर्म करने चाहिएं जिससे हम नर से नारायण बन सके। साध्वी अणिमाश्री जी ने कहा कि जिनवाणी रूपी बरसात से भंवर के कर्म घुलते हैं।

बड़ों के प्रति विनयभाव रखना, आदर भाव करना जगाता है। महासती कंचनकंवर जी ने मंगलपाठ सुनाया। संघ के मंत्री पदमचन्द बोहरा ने संचालन किया।

सम्पूर्ण जगत में धर्म के समान कोई पवित्र वस्तु नहीं : आचार्य प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य प्रभाकरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संसार में कोई भी चीज सदा साथ रहने वाली नहीं है। जीवन में हम सगे संबंधी, धन, यश व कीर्ति को अपना मानते हैं। यह हम गलत सोचते व मानते हैं। यह सब तब तक आप के साथ हैं जब तक कि आप के साथ पुण्य कर्म की पूंजी है। सभी के साथ स्वार्थ का संबंध है। शरीर भी उसी क्रम में एक दिन साथ छोड़ देता है इसलिए उसका साथ का मोह छोड़ देना चाहिए। केवल अपने कर्म का पालन करना चाहिए। आचार्यश्री ने कहा कि सारे शुभ और अशुभ कर्मों के फल जितने भी हैं यह जीव अकेला ही भोगता है, कोई साथ नहीं देने वाला होता है ।इसलिए हमें अपने परमात्मा तथा धर्म पर अपने भाव को प्रकट करते हुए सत्य कर्म मार्ग पर चलना चाहिए। जिस प्रकार जीवन पर्यन्त नीच व्यक्ति पर कितना ही उपकार किया जाए तो भी उसमें सज्जनता नहीं आती है, उसी प्रकार मनुष्य की देह भी अपनी स्वाभाविक दुर्गन्ध को नहीं छोड़ती है। यह देह विश्वास की भी पात्र नहीं है, हमें केवल और केवल अपनी आत्मा पर विश्वास करना चाहिए। आत्मा का कल्याण हुआ तो हमारा कल्याण निश्चित होगा। आत्मा के दोष स्वरूप मैल को दूर करने के लिए धर्म साबुन के समान है। सम्पूर्ण जगत में इस धर्म के समान कोई पवित्र वस्तु नहीं है। आत्मा पर भी कर्म का रोग लगा हुआ है। ङ्कआचार्यश्री ने कहा कि हमारी जिंदगी बढ़ती जा रही है और उम्र घटती जा रही है। हमारे जीवन में धर्म की भावना बढ़नी चाहिए। व्यक्ति द्वारा किए गए अच्छे और बुरे कर्म ही साथ आएंगे, वे ही तय करेंगे कि आपको स्वर्ग मिलेगा या नरक। परमात्मा के वचन औषधि के रूप में काम करते हैं। इसके माध्यम से तन व मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। तन के डॉक्टर पैसे खर्च करने पर मिल जाते हैं पर मन के डॉक्टर पैसे से भी नहीं मिलते बल्कि भगवान के प्रति आस्था व श्रद्धा के माध्यम से मन को शांत किया जा सकता है। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि सभा में मुनिश्री महापद्मविजयजी, पद्मविजयजी, साध्वी तत्वत्रयाश्रीजी, गोयमरत्नाश्रीजी व परमप्रज्ञाश्रीजी उपस्थित थे।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में पावरफुल जैनिज्म क्लास सत्र संपन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गांधीनगर तेरापंथ भवन में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा आयोजित पावरफुल जैनिज्म क्लास सत्र का समापन बुधवार को हुआ। इस विशेष क्लास में मुनि डॉ. पुलकित कुमारजी द्वारा 250 प्रतिभागियों को जैन धर्म की मूल बातें, तीर्थंकर काल, श्रमण संस्कृति एवं वैदिक संस्कृति, मानव संस्कृति का क्रमिक विकास, जैन धर्म और विज्ञान, जैन जीवन शैली, हमारे महान आचार्य, तेरापंथ की पृष्ठभूमि तथा नौ तत्व और छह द्रव्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरल, रोचक एवं गहन रूप से प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त मोटिवेशनल सेशन्स में अरविंद मांडोत एवं सुदर्शन कटारिया ने जैन विजडम इन लाइफ एंड बिजनेस विषय पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया। परिषद के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर तेरापंथ सभा, महिला मंडल, प्रोफेशनल फोरम एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं का विशेष योगदान रहा। कार्यशाला के अंतिम चरण में मंत्री प्रदीप चौपड़ा, संयोजक अंकित छाजेड़ एवं सभा के पदाधिकारियों द्वारा विशिष्ट ज्ञानार्थियों का सम्मान किया गया।

सुख-सुविधाओं से नहीं, परिश्रम से मिलती हैं सफलताएं : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। गुरुवार को स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन रोड स्थित जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भगवान महावीरस्वामी और तथागत बुद्ध ने समस्त सुख-सुविधाओं के बावजूद गृहत्याग कर साधना की थी। दुनिया में ऐसे हजारों-हजारों लोग हुए हैं, जो अत्यंत अभावों के बीच भी परिश्रम पूर्वक सफताओं के ऊंचे शिखर पर पहुंचे हैं। बैसाखियों और सुख-सुविधाओं के बलबूते पर सफलताओं के दिवास्वप्न देखना पागलपन है। बैठे-बैठे कुछ नहीं होता। पशु-पक्षियों को भी प्रतिदिन अपने दाना-पानी का भटक-भटक कर इंतजाम करना पड़ता है। बैठे-बैठे तो मात्र समय और जीवन बर्बाद होता है। इतिहास उन्होंने बनाए हैं जिन्होंने पसीना बहाकर और संघर्ष कर जीवन को तपाया है। बड़े मुकाम हासिल करने के लिए लक्जरी छोड़नी पड़ती है। बलिदान देने पड़ते हैं। परिवार और अरमान तो सबके होते हैं, पर चमत्कार उनसे नहीं होते। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन की सफलताओं का सरोवर कोई जन्म से भरकर नहीं आता, उसे तो पल-पल के प्रयत्न और बिंदु-बिंदु के संग्रह से भरना होता है। जन्म से मनुष्य महान नहीं होता, उसके कर्मों के अनुसार जीवन की गति निर्धारित होती है। निपट भाग्य के भरोसे बैठे रहना अज्ञानता है। सत्पुरुषार्थ ही हमारे सद्भाग्य का निर्माण करता है। आगे बढ़ना है तो आलस्य को झकझोरना होगा। भगवान महावीरस्वामी ने तो प्रमाद को मृत्यु कहा है। सत्पुरुषार्थ का अभाव जीवन की उज्ज्वल संभावनाओं का समाप्तिकरण है। भौतिक और आध्यात्मिक, दोनों क्षेत्रों में समय का सदुपयोग और सत्पुरुषार्थ ही सफलता का मूलमंत्र है। गुरुवार को हरपनहल्ली, गंगावती, कोप्पल, कुकनूर, सेलम, मुंबई चलकेरे, बेंगलूरु हुब्बली आदि अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालु उपस्थित थे। गणि पद्मविमलसागर ने सभी तपस्वियों के लिए अभिमंत्रित जल का विशिष्ट विधान किया। आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने वासनिक्षेप कर आशीर्वाद प्रदान किया। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि शुक्रवार को धर्मसभा के बाद मेहंदी रचना का कार्यक्रम होगा।

शांतक्रांति संघ की कर्नाटक शाखा के सदस्यों ने किए आचार्यश्री के दर्शन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी शांत क्रांति संघ की कर्नाटक शाखा के एक प्रतिनिधिमंडल ने जयपुर में विराजित आचार्यश्री विजयराजजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। आचार्य विजयराजजी ने कहा कि हमें किसी गुरु से बंधे हुए नहीं होना चाहिए बल्कि धर्म पर श्रद्धा रखते हुए सभी संतों की अनन्य भाव से बिना किसी भेदभाव के सेवा करनी चाहिए। आचार्य ने कहा कि भावावेश में या अति श्रद्धा के वशीभूत आचार्य अथवा किसी मुनि को भगवान की संज्ञा से संबोधित नहीं करना चाहिए। भगवान वीतरागी होते हैं। हम साधारण मानव होते हैं। गलतियां होती हैं। मात्र नवकार मंत्र और आगम को भगवान सम सम्मान देना चाहिए। कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब ने आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और आचार्यश्री से दक्षिण प्रांतों की ओर और अधिक संख्या में संघ के साधु साध्वियों को भेजने का निवेदन किया। महामंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्यश्री के बेंगलूरु चातुर्मास के संस्मरण सुनाए। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश लुणावत, कर्नाटक शाखा के कार्याध्यक्ष धर्मीचंद कांठेड़ सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे ।

भाव से दिया गया दान पुण्य का बंध करवाता है : साध्वी मयूरयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी मयूरयशाजी ने कहा कि दान देने में पांच दूषण हैं। एक अनादर से देना यानी कि बिना आदर के, बिना मन के, बिना भाव के, मजबूरी में दिया गया दान अनादर दान कहलाता है। भाव से दिया गया दान पुण्य का बंध करवाता है, जबकि अनादर से किया गया दान पुण्य को खो देता है। दूसरा विलंब से देना यानी कि दान देने में देरी करना, देरी से देना, सता कर देना, तीसरा तिरस्कार से दान देना यानी जिसको दान दिया जाता है उसको अपमानित करके दान देना, चौथा अभिमान से दान देना यानी दिए गए दान का घमंड करना, प्रदर्शन करना और पांचवा दान देने के बाद में पश्चाताप करना कि मुझे दान नहीं देना था, नहीं दिया होता तो अच्छा था ऐसा पश्चाताप करना यह पांच तरह के दान दूषण रूप है।

मृत्यु से पहले मनुष्य को अपनी शक्तियों को जान लेना चाहिए : संत ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि मृत्यु से पहले मनुष्य को अपनी शक्तियों को जान लेना चाहिए। मनुष्य के पास इतनी ताकत है कि वह इस भव की नैया पार लगा सकता है। नर्क को स्वर्ग में बदल सकता है। लेकिन सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य अपनी शक्तियों को ही नहीं जानता है। मनुष्य के पास अनंत शक्ति है।

मनुष्य चाहे तो तप त्याग करके अपने अनंत भवों को सुधार सकता है। मनुष्य जन्म मिला है तो कर्मों की निर्जरा कर लेनी चाहिए। अब समय आ गया है कि आंख खोल लें और जीवन को सुधार लें। अगर आज नहीं समझेंगे तो आज जो स्थिति है आगे उससे भी बुरी स्थिति होगी।

संतश्री ने कहा कि ऐसे अनमोल मानव जीवन को समझ लेने वाला अपने आने वाले कई भवों को बेहतर बना सकता है। जब भी समय मिले तो अपने बड़े बुजुर्गों के साथ बैठ कर बातचीत अवश्य करनी चाहिए, इससे मनुष्य को कई चीजें सीखने को मिलेगी। समझदारी के साथ संस्कार भी सीखने को मिलेंगे। संतश्री ने कहा कि हाथ मिले हैं तो दान कर लेना चाहिए। कान से अच्छे चीजों का श्रवण कर लेना चाहिए। संघ के कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

तप आत्मशुद्धि का पवित्र माध्यम है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड स्थित ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेश मुनिजी, श्री शालिभद्र मुनिजी, उपप्रवर्तिनीश्री सत्यप्रभाजी आदि के सान्निध्य में गुरुवार को 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ भगवान के, स्तुति रूपी महा कल्याणकारी उपसर्गहर स्तोत्र जाप अनुष्ठान का आयोजन किया गया। शालिभद्र मुनि जी ने उपस्थित सैंकड़ों श्रद्धालुओं को इस सर्व सिद्धि, समृद्धिदायक सुख प्रदान करने वाले स्तुति जाप का सामूहिक जाप करवाया।तपस्वी मल्लिकादेवी कात्रेला ने मासखमण तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। नरेश मुनिजी ने तप अनुमोदना करते हुए कहा कि तप आत्म शुद्धि का पवित्र माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रभु महावीर के जिन शासन में ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप तथा दूसरे प्रकार से दान, शील, भाव और तप इन दोनों प्रकार से मोक्ष, मुक्ति प्रदान करने वाले शिक्षा सूत्रों में तप साधना को भी विशिष्ट महत्व बतलाया है और तप साधना को महान प्रधानता दी गई है। अपनी इच्छाओं का निरोध करना ही तप है। तप को अग्नि के समान बताते हुए उन्होंने कहा कितप रूपी अग्नि में साधक के सब कर्म नष्ट हो जाते हैं और आत्मा पवित्र निर्मल, शुद्ध बन जाती है।आत्मबल के धनी, शूरवीर आत्मा ही दृढ़ संकल्प निश्चय से गुरु के आशीर्वाद कृपा सानिध्य में देव, गुरु, धर्म के प्रताप से बड़ी से बड़ी तप साधना सफलता पूर्वक संपन्न कर सकती हैं। समिति के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। संचालन महामंत्री महावीर चन्द मेहता ने किया।

आत्म शुद्धि के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में 'भिक्षु शासन -नंदनवन' कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में आचार्यश्री भिक्षु की अनुशासन शैली विषय का प्रतिपादन करते हुए साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु युगद्रष्टा महापुरुष थे। वे अपने युग में क्रांतिकारी आचार्य के रूप में पहचाने गए। अनुशासन को संगठन का अनिवार्य पहलू बताते हुए उन्होंने कहा कि आत्मशुद्धि के लिए अनुशासन जितना जरूरी है उतना संगठन की दृढ़ता के लिए भी उसका मूल्य है। परिवार, समाज एवं राष्ट्र कोई भी परिवेश हो, समूह चेतना के स्तर पर सफलतम जीवन वही जी सकता है जो अनुशासन में रहना जानता है। पारिवारिक विघटन, सामाजिक टूटन और राष्ट्रीयता के बिखराव का प्रमुख कारण है अनुशासन का अभाव। जहाँ आत्मानुशासन के संस्कार न हों, अनुशासन के प्रति आस्था न हो और अनुशासन के परिणाम में विश्वास न हो, वहाँ सामूहिक जीवन भी समस्या बन जाता है। जीवन के हर पहलू के साथ अनुशासन का महत्व जुड़ा है। साध्वी बोधिप्रभाजी ने एक कविता द्वारा सबको अनुशासन के सांचे में ढ़लकर जीवन को निखारने की प्रेरणा दी। इस मासिक कार्यशाला में लगभग 251 सामायिक और 250 घंटे का मौन तप हुआ। गुरुवार को अढ़ाई सौ प्रत्याख्यान तप की दो लड़िया अर्थात लगभग 580 तपस्वियों की सहभागिता रही। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया और तपस्वियों के तप के अनुमोदना की। कार्यशाला का संचालन गुलाब बाँठिया ने किया।

ज्ञान आत्मा का दर्पण है : संत वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि ज्ञान आत्मा का तीसरा नेत्र कहा गया है। जिसके द्वारा जाना जाए, वह ज्ञान है। संसार के भौतिक पदार्थों और आध्यात्मिक तत्वों के स्वरूप को समझने के लिए ज्ञान के समान दूसरा और कोई नेत्र नहीं है। भगवान महावीर ने भी कहा है कि पहले ज्ञान प्राप्त करें और फिर दया आचरण करें। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान आत्मा का दर्पण है। ज्ञान मन के समस्त विकारों को नष्ट करके उसे शुद्ध, पवित्र, निर्मल बनाता है। पहले जानकारी अर्थात ज्ञान जरूरी है, बिना ज्ञान के यह अमृत है, विष है, इसका पता नहीं चलेगा। यदि आपको जानकारी, उस चीज का सही बोध, ज्ञान हासिल है तो आप अमृत और विष को पहचान सकते हैं। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी कहा है कि इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र और कुछ नहीं है। ज्ञान प्रकाश करने वाला है। ज्ञान ही मनुष्य जीवन का सार है। आत्मा का सच्चा ज्ञान ही हमारे जन्म मरण के दुख मिटाने वाला है, अतः साधक ज्ञान प्राप्ति में स्वयं प्रयत्नशील बनें तभी हमारे लिए यह अनमोल मानव जीवन प्राप्त करने की सार्थकता है। प्रारंभ में युवा मनीषी मधुर वक्ता श्री रूपेश मुनि जी ने भजन प्रस्तुत किया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी महाराज ने सबको मंगल पाठ प्रदान किया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर फिर जा सकते हैं अमेरिका: रिपोर्ट

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर इस सप्ताह शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श के लिए अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के चार दिन तक चले संघर्ष के बाद यह मुनीर की अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी।

एक मीडिया रिपोर्ट में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई।

जून में मुनीर अमेरिका गए थे जहां उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दोपहर का भोजन किया था। इस मुलाकात के बाद ट्रंप ने तेल समझौते सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग बढ़ाने की घोषणा की थी।

समाचारपत्र 'डॉन' ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से अपनी खबर में बताया कि फील्ड मार्शल मुनीर इस हफ्ते अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ विचार-विमर्श के लिए अमेरिका में होंगे।

सूत्रों ने अखबार को बताया कि यह यात्रा जुलाई के अंत में अमेरिकी सेंट्रल कमान के प्रमुख, जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला की पाकिस्तान यात्रा के बाद होगी।

दक्षिणी में सुरक्षा मजबूत करने के लिए जापान ने पहली बार एफ-35बी विमान तैनात किए

टोक्यो, सात अगस्त (एपी) जापान के पहले तीन एफ-35बी स्टील्थ (रडार से बचने में सक्षम) लड़ाकू विमान बृहस्पतिवार को देश के दक्षिण में स्थित एक वायुसेना अड्डे पर पहुंचे। यह क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया नवीनतम कदम है। एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स ने कहा कि चार विमानों की खेप में से पहले पहुंचे इन तीन एफ-35बी विमानों को मियाजाकी प्रांत के न्यूताबारू वायुसेना अड्डे पर तैनात किया जाएगा। चौथा विमान बाद में आएगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि मार्च 2026 के अंत तक न्युताबारू वायुसेना अड्डे को चार और एफ-35बी विमान प्रदान किए जाएंगे।

सांस्कृतिक उत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दर्शन सोशल एंड कल्चरल अकादमी द्वारा रवींद्र कला क्षेत्र में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव नृत्य पर्व-2025 कार्यक्रम में बाल प्रतिभाओं के साथ मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं अन्य ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.